



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 17, 1971 (आषाढ़ 26, 1893)

No. 29]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 17, 1971 (ASADHA 26, 1893)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 4

### (PART III—SECTION 4)

विधिका निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

(Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies)

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, 4 जून 1971

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सामान्य नियमावली 1955 के नियम 76 (1) के अनुसार केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति ने स्थानीय मुख्य कार्यालयों/प्रादेशिक कार्यालयों के मुख्य निगरानी अधिकारियों को इसके अन्तर्गत निदिष्ट की गई हस्ताक्षर करने की शक्तियों के उपयोग का अधिकार दिया है।

केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति के आदेश से

23 जून 1971

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :-

M159GI/71

श्री पी० कृष्णन् नायर दिनांक 23 जून, 1971 में केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में शाखा-निर्देशक के पद पर नियुक्त किये गये।

टी० आर० वरदाचारी, प्रबन्ध-निदेशक

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 25 जून 1971

सं० 13(3)/71 —अधोहस्ताक्षरकर्ता परीक्षक परिषद की दिनांक 21-6-71 की स्वीकृति के पश्चात् सहर्ष श्री अमदीण प्रकाश गान्त को 1971 में राष्ट्रीय शर्करा संस्था के फेलोशिप (एफ० एच० एस० एम०) उपाधि प्रदान करने हेतु घोषणा करता है।

मुरेण चन्द्र गान्त, निदेशक



**स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, आवास****एवं नगर विकास मंत्रालय****(स्वास्थ्य विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1970

सं० एफ० 1-54/69-एम०ई० (पी० जी०) एस० ओ०—  
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 32 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का पालन करते हुए स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ विनियमावली, 1967 को संशोधित करने के लिए एतद्-द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः—

1. संक्षिप्त शीर्षक . इन विनियमों को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ (संशोधन) विनियमावली, 1970 कहा जा सकेगा।

2. स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़, विनियमावली, 1967 में (जिसे एतस्मिन् पश्चात् उक्त विनियमावली कहा गया है) विनियम 6 में उप विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, नामतः—

“(2) यदि किसी बैठक के आयोजन के लिए नियुक्त समय से आधे घण्टे के भीतर गणपूर्ति पूरी नहीं होती तो वह बैठक अगले सप्ताह, उसी तिथि उसी समय और उसी स्थान पर के लिए स्थगित बैठक की सूचना उस बैठक में अनुपस्थित प्रत्येक सदस्य को उसी दिन डाक अथवा तार या विशेष दूत द्वारा, जैसा भी अपेक्षित हो, भेज दी जायेगी।”

3. उक्त विनियमावली के विनियम 12 में “अनुसूची” शब्द के बदले “अनुसूची 1” शब्द और अंक प्रतिस्थापित कर दिया जायेगा।

4. उक्त विनियमावली के विनियम 16 में उप विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, नामतः—

“यदि किसी बैठक के आयोजन के लिए नियुक्त समय से आधे घण्टे के भीतर गणपूर्ति पूरी नहीं होती तो यह बैठक अगले सप्ताह, उसी तिथि उसी समय और उसी स्थान पर के लिए स्थगित हो जायेगी और ऐसी स्थगित बैठक की सूचना उस बैठक में अनुपस्थित प्रत्येक सदस्य को उसी दिन डाक अथवा तार या विशेष दूत द्वारा, जैसा भी अपेक्षित हो, भेज दी जायेगी।”

5. उक्त विनियमावली में विनियम 22 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, नामतः—

“22. अध्यक्ष उन्हीं शक्तियों का प्रयोग करेगा तथा वही कार्य करेगा जो दृग अधिनियम, विनियमावली और विनियमावली में विहित है।”

6. उक्त विनियमावली के विनियम 25 में, उपविनियम (1) में “अनुसूची” शब्द के लिए, “अनुसूची 1” शब्द और अंक रखे जायेगे।

7. उक्त विनियमावली में विनियम 30 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, नामतः—

**कर्मचारी पूर्णकालिक सेवक**

जब तक किसी मामले में स्पष्ट रूप से यह अन्यथा न दिया गया हो कि संस्थान के कर्मचारी का पूरा समय संस्थान की व्यवस्था के अधीन होगा और संस्थान का समर्चित अधिकारी उसे बिना अतिरिक्त पाश्चात्तिक के दावे के किसी भी अपेक्षित रूप में नियुक्त कर सकेगा।

8. उक्त विनियमावली में विनियम 30 के बाद निम्नलिखित रखा जायेगा, नामतः—

“31. स्थायी और अस्थायी पद : संस्थान की सेवा में पद या तो “स्थायी पद” अर्थात् बिना किसी समय सीमा के संस्वीकृत किसी निश्चित वेतन दर वाले पद होगा या “अस्थायी पद” अर्थात् एक समिति समय के लिए संस्वीकृत एक निश्चित वेतन दर वाले पद होगा।”

**32. नियुक्तियों के लिए अर्हताएं**

(1) संस्थान के अधीन किसी पद पर नियुक्ति के लिए आयु, अनुभव और अन्य अर्हताएं नियुक्ति अधिकारी द्वारा समान पदों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित अर्हताओं और अनुभव को ध्यान में रखते हुए, प्रत्याशियों से आवेदन मांगने में पूर्व विहित की जायेंगी किन्तु ज्ञत यह है कि गैर-चिकित्सा कार्मिकों को निदेशक एवं चिकित्सा अधीक्षक के पद पर नियुक्त नहीं किया जाय।

(2) इस संस्थान के पदों पर नियुक्तियां करने समय नियुक्ति अधिकारी इस संस्थान के प्रशासन की दक्षता तथा शिक्षण के लिए योग्य अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जन जातियों के दावों पर ध्यान देंगे। जहां तक व्यावहारिक हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जन जातियों के अभ्यार्थियों के लिए केन्द्रीय सरकार के पदों के लिए आग्रहण की जो प्रतिशतता

विहित की गई है उसका पालन इस संस्थान के पदों को भरने के लिए भी किया जायेगा।

- (3) इस संस्थान के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के प्रत्येक सवर्ग से, नियुक्ति अधिकारी द्वारा निश्चित की गई 7.50 रु० तक की फीस ली जायेगी। अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जन जातियों के अभ्यर्थियों को फीस की उक्त रकम में 75 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

33. **परिबीक्षा अवधि** : जब तक किसी मामले में नियुक्ति अधिकारी द्वारा अन्यथा निर्णय न लिया जाये, तब तक सभी कर्मचारी दो वर्ष तक परिबीक्षा पर रहेंगे। परिबीक्षा काल में कर्मचारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सन्तोषजनक ढंग से काम करेगा। ऐसा न करने पर किसी भी समय बिना किसी सूचना अथवा कारण बतलाये उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। परन्तु नियुक्ति अधिकारी परिबीक्षा अवधि को बढ़ा भी सकता है।

34. **वरिष्ठता** : इस संस्थान के प्रत्येक वर्ग के कर्मचारियों की वरिष्ठता उन गुणावगुणों पर निर्धारित की जायेगी जिन के आधार पर सम्बद्ध ग्रेड में नियुक्ति के लिए उनका चयन किया गया हो। जिनका चयन पहले हो गया हो वे बाद में नियुक्त किये गये कर्मचारियों से वरिष्ठ होंगे।

परन्तु शैक्षिक कर्मचारियों को छोड़ कर, किसी सेवा में किसी पद पर निरन्तर सेवा की अवधि के आधार पर उनकी वरिष्ठता का निर्धारण किया जायेगा।

सीधी भरती से नियुक्त किये गये व्यक्तियों के गुणावगुण-क्रम में जिसका निर्धारण आयोग अथवा चयन निकाय द्वारा किया गया हो, वरिष्ठता निश्चित करते समय कोई हेर-फेर नहीं की जायेगी।

इसके अतिरिक्त एक ही तिथि को नियुक्त किये गये व्यक्तियों की वरिष्ठता इस प्रकार निश्चित की जायेगी :—

- (क) सीधी भरती द्वारा नियुक्त किया गया व्यक्ति अन्यथा भरती किये गये व्यक्ति से वरिष्ठ होगा,
- (ख) पदोन्नति से नियुक्त किया गया व्यक्ति स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त व्यक्ति से वरिष्ठ होगा;

(ग) पदोन्नति अथवा अन्य स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त किये गये व्यक्तियों के मामले में वरिष्ठता ऐसे सदस्यों की उन नियुक्तियों की वरिष्ठता के अनुसार निर्धारित की जायेगी जिनसे उनकी वरिष्ठता पदोन्नति अथवा उनका स्थानान्तरण हुआ है।

(घ) विभिन्न सवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त व्यक्तियों के मामले में उनकी वरिष्ठता का निश्चय वेतन के अनुसार किया जायेगा। अपने पूर्व पद पर अधिक दर पर वेतन पाने वाले को इसमें तरजीह दी जायेगी और यदि वेतन दरे एक समान हों तो इन पदों पर उनकी सेवा अवधि के आधार पर और यदि सेवा अवधि भी बराबर हो तो ज्येष्ठ व्यक्ति कनिष्ठ व्यक्ति से वरिष्ठ होगा।

**टिप्पणी 1**—अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण करने तक ये नियम विशुद्ध रूप से अस्थायी आधार पर नियुक्त व्यक्तियों पर लागू नहीं होंगे।

**टिप्पणी 2**—जिन व्यक्तियों की परिबीक्षा अवधि बढ़ाई गई हो उनकी इन नियमों के प्रयोजनों के लिए नियुक्ति की तिथि परिबीक्षा की बढ़ाई गई अवधि तक आम्शगित मान ली जायेगी।

35. **अवकाश** : इस संस्थान के अस्थायी और स्थायी कर्मचारी भी वही अवकाश तथा अवकाश-वेतन पाने के हकदार होंगे जो समय-समय पर यथा संशोधित, संशोधित अवकाश नियमावली, 1933 के अधीन केन्द्रीय सरकार के समान वर्ग के कर्मचारियों को अभिस्वीकृत है।

परन्तु केन्द्रीय सरकार की संशोधित नियमावली, 1933 के प्रयोजनों के लिए इस संस्थान के शैक्षिक कर्मचारियों के निम्नलिखित वर्गों के कर्मचारियों को अवकाश (वैकेशन) विभाग में कार्य कर रहे मान लिया जायेगा।

- (1) प्राध्यापक (निदेशक प्राध्यापक एवं अपर प्राध्यापक समेत)।
- (2) सह प्राध्यापक।
- (3) सहायक प्राध्यापक।
- (4) व्याख्याता (वरिष्ठ व्याख्याता समेत)।

इस प्रयोजन के लिए नियमित अवकाश (वैकेशन) वही होगा जैसा कि शासी निकाय

द्वारा समय समय पर निश्चित किया जायेगा। परन्तु इस संस्थान में जो कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर बाहर से आये होंगे उन पर उनकी प्रतिनियुक्ति की शर्तों में विनिर्दिष्ट अवकाश नियम लागू होंगे।

36. **कार्य से अनुपस्थित :** सम्बन्धित छुट्टियों की अवधि समेत जो कर्मचारी लगातार पांच साल से अधिक विदेश सेवा अथवा मुआविल किये गये हों उन्हें छोड़कर अपवादिक परिस्थितियों में राष्ट्रपति द्वारा जब तक अन्यथा निर्णय न किया जाय इस संस्थान के किसी भी स्थायी कर्मचारी को बरखास्त नहीं किया जायेगा।

37. **भरती के समय आयु :** इस संस्थान में शैक्षिक पदों पर भरती के समय अस्थायी की अधिकतम आयु आमतौर पर 50 वर्ष तथा गैर शैक्षिक पदों के लिए 30 वर्ष होनी चाहिए। शासी निकाय द्वारा इस सीमा में छूट दी जा सकती है।

38. **आचरण, अनुशासन तथा दण्ड :**

(1) केन्द्रीय सिविल सेवाएं (आचरण) नियमावली, 1964 यथोचित परिवर्तनों के साथ इस संस्थान के कर्मचारियों पर लागू होंगे।

(2) केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 1965 भाग 4 (निलम्बित) भाग 5 (दण्ड एवं अनुशासन अधिकारी) भाग 6 (दण्ड देने की प्रक्रिया), भाग 7 (अपील) एवं भाग 8 (सीमांक्षा) यथोचित परिवर्तनों के साथ इस संस्थान के कर्मचारियों पर भी लागू होगी :

परन्तु इस विनियम के प्रयोजनों के लिए,—

(क) इस संस्थान में श्रेणी 1, श्रेणी 2, श्रेणी 3 और श्रेणी 4 के पद केन्द्रीय सिविल सेवाओं के क्रमशः श्रेणी 1, श्रेणी 2, श्रेणी 3 और श्रेणी 4 के पदों के अनुरूप होंगे।

(ख) इस संस्थान के विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति अधिकारी, अनुशासन अधिकारी एवं अपील अधिकारी वही होंगे जो अनुसूची-2 में निर्धारित किये गये हैं।

(ग) इस संस्थान के केन्द्र और राज्य सरकार के जिन कर्मचारियों को अपने यहां लिया है उन पर केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के क्रमशः नियम 20 और 21 लागू होंगे तथा उप-

र्युक्त दो नियमों के प्रयोजनों के लिए यह संस्थान केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के जैसा भी मामला हो, कार्य करेगा।

(घ) किसी भी मामले में सघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करने की आवश्यकता नहीं है।

39. **बुबारा नौकरी पर रखे व्यक्तियों का वेतन :**

इस संस्थान अथवा राज्य अथवा केन्द्रीय सरकार अथवा किसी स्वशासी अथवा सरकार द्वारा शासित स्थानीय निकाय की सेवा से सेवा निवृत्ति के बाद इस संस्थान में नियुक्त किये गये किसी व्यक्ति का वेतन समय समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय सरकार के नियमों और आदेशों के अनुसार विहित वेतन मानों पर निश्चित किया जायेगा।

40. **सेवा की अन्य शर्तें :** इन विनियमों में जिन बातों की व्यवस्था नहीं की गई है उनके संबंध में सेवा, वेतन, भत्तों जिनमें यात्रा एवं दैनिक भत्ता, छुट्टी वेतन, कार्य आरम्भ काल, विदेश सेवा शर्तें भी सम्मिलित हैं और इस संबंध में समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये आदेश और निर्णय की सामान्य शर्तें जो केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू होते हैं, वे ही नियम यथोचित परिवर्तनों के साथ इस संस्थान के कर्मचारियों पर भी लागू होंगे।

41. **संस्थान के भवन तथा भूमि :**

(1) यह संस्थान अपनी भूमि तथा भवनों को संस्थान के प्रयोजनार्थ उपयोग में लायेगा तथा जब ऐसे प्रयोजनों के लिए इसकी आवश्यकता नहीं होगी तो उन व्यक्तियों अथवा अधिकारियों का जिनको शासी निकाय उचित समझे देने के लिए आवंटित कर सकता है।

(2) जैसा कि अनुसूची 3 में निर्धारित है इस संस्थान के कर्मचारी उन्हें निवास स्थान के रूप में आवंटन पाने के अधिकारी होंगे।

42. **स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा दिये जाने वाले शुल्क :**

पजीकरण के पश्चात् प्रत्येक छात्र को इस संस्थान की किसी भी स्नातकोत्तर उपाधि के लिए निम्नलिखित शुल्क देने पड़ेंगे :—

(i) शिक्षण शुल्क 350 रु० प्रति वर्ष  
(दो बराबर किश्तों में देय)।

(ii) प्रयोगशाला शुल्क 40 रु० प्रति वर्ष  
(दो बराबर किश्तों में देय)।

(iii) प्रत्याभूति . प्रयोगशाला उपकरणों तथा ऐसी अन्य वस्तुओं की तोड़-फोड़ अथवा क्षतिपूर्ति के लिए प्रत्येक विद्यार्थी 50 रु० (लौदायी जाने वाली) जमा करेगा। क्षतिपूर्ति के पश्चात् यदि कुछ बकाया होगा तो उसकी अदायगी केवल पाठ्यक्रम की अवधि समाप्त होने पर ही की जायेगी।

(iv) पंजीकरण शुल्क . प्रवेश वर्ष में पहली अगस्त तक 25 रु०।

(v) एकीकृत निधिया . 5 रु० प्रति माह।

टिप्पणी (1) : 175 रुपये के शिक्षण शुल्क की पहली किश्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भर्ती के समय दी जानी है तथा अगली किश्त सत्र शुरू हो जाने के 6 महीने के भीतर। निदेशक किसी भी छात्र के लिये अपने विवेक पर उक्त शुल्कों की अदायगी तिथि को उपर्युक्त निश्चित

तिथि से 15 दिन तक के लिये बढ़ा सकता है। शुल्क जमा न करने पर तथा मामले के गुणाव-गुणों को देखते हुए निदेशक जैसा दण्ड उचित समझे दे सकता है।

(2) शुल्क तथा अन्य खर्च किसी भी स्थिति में वापस नहीं किये जायेंगे चाहे विद्यार्थी सत्र पूरा न होने से पहले संस्थान छोड़ रहा हो या किसी अन्य कारणवश संस्थान में प्रवेश न ले रहा हो तथा इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जायेगा।

(3) परन्तु जो अभ्यार्थी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लेंगे उन्हें प्रत्याभूति शुल्क वापस कर दिया जायेगा। जो विद्यार्थी पाठ्यक्रम के मध्य में या पाठ्यक्रम पूरा करने पर संस्थान से जायेंगे उन्हें देय खर्च को घटाने के बाद यदि कोई हों, बकाया प्रत्याभूति निधि वापस कर दी जायेगी।

9. उक्त विनियमों में वर्तमान "अनुसूची" को "अनुसूची" लिखा जायेगा और इस प्रकार दुबारा संख्या दी हुई अनुसूची 1 में क्रम संख्या 14 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नांकित सम्मिलित कर दिया जायेगा, नामतः—

#### शक्तियों की सीमा

क्रम संख्या	शक्तियां किस प्रकार की हैं	शक्तियों की सीमा		निदेशक
		शासी निकाय	अध्यक्ष	
1	2	3	4	5
15. संस्थान के किसी कर्मचारी को अनुसूचिवीय कर्मचारी घोषित करना		—	—	पूर्ण शक्तियां
16. पुनर्ग्रहणाधिकार स्थगित करना		—	—	पूर्ण शक्तियां बशर्ते पुनर्ग्रहणाधिकार वाले पदों पर नियुक्तियां करने का अधिकार हो।
17. संस्थान के कर्मचारी को पुनर्ग्रहणाधिकार को एक पद से दूसरे पद पर हस्तान्तरित करना		—	—	पूर्ण शक्तियां बशर्ते कि वे संबंधित दोनों पदों पर नियुक्तियां करने के अधिकार हों।
18. संस्थान के कर्मचारी का एक पद से दूसरे पद पर स्थानान्तरण करना।	प्रथम श्रेणी के अधिका- रियों के मामले में पूरी शक्तियां।	द्वितीय श्रेणी के अधिका- रियों के मामले में पूरी शक्तियां।	तीसरी और चौथी श्रेणी के कर्मचारियों के मामले में पूरी शक्तियां।	
19. मूल नियम 9(6)(ख) के अधीन ड्यूटी पर समझे जाने वाले संस्थान के कर्मचारी के वेतन और भत्तों का निर्धारण।	प्रथम श्रेणी के अधिका- रियों के मामले में पूरी शक्तियां।	द्वितीय श्रेणी के अधिका- रियों के मामले में पूरी शक्तियां।	तीसरी और चौथी श्रेणी के कर्मचारियों के मामले में पूरी शक्तियां।	
20. वेतन वृद्धियों के लिये असाधारण छुट्टी को सुधार करना।	—तदेव—	—तदेव—	—तदेव—	

1	2	3	4	5
21	प्रारम्भिक नियुक्ति पर उच्चतर प्रारम्भिक वेतन की स्वीकृति	पूरी शक्तियाँ (केन्द्रीय सरकार की अनुमति से सजित पदों तथा उन पदों को छोड़कर जिन पर नियुक्तियाँ केन्द्रीय सरकार की नियुक्ति से की जाय।	कोई नहीं	कोई नहीं
22	समय मान वेतन की न्यूनतम स्थिति से नीचे किसी स्थानापन्न सरकारी कर्मचारी के वेतन को कम करने की शक्ति।	पूरी शक्ति (केवल उन पदों को छोड़कर जो केन्द्रीय सरकार की अनुमति से सजित होने हैं और उसकी अनुमति से ही उन पर नियुक्तियाँ भी होती हैं। इनके मामले में सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक होगी।	—	—
23	मानदेय स्वीकृत करना अथवा मानदेय लेने की अनुमति देना।	—	—	प्रत्येक मामले में अधिकतम 500 रुपये तक पूरी शक्तियाँ आवर्ती मानदेयों के मामले में यह सीमा किसी एक व्यक्ति को किसी एक वर्ष में दिये जाने वाले आवर्ती मानदेयों की कुल रकम पर लागू होती है। श्रेणी एक और श्रेणी दो के अधिकारियों के मामले में यह मामला शासी निकाय के पास भेजा जाना चाहिए :
24	किसी कर्मचारी की अस्थायी नियुक्ति अथवा उसकी एकाधिक पदों पर स्थानापन्न-नियुक्ति तथा सहायक पदों का वेतन और उसके साथ मिलने वाले प्रतिकर भत्ते की राशि निश्चित करने की शक्ति।	—	—	केन्द्रीय सरकार की समान श्रेणियों के कर्मचारियों पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार।
25	छुट्टी में वापस आने से पूर्व आगम्य प्रमाण-पत्र मागने की शक्ति।	—	—	नियुक्ति अधिकारी—पूरी शक्तियाँ।
26	मजूर हुई छुट्टियों से अधिक अनुपस्थिति को पूरा करने के लिए छुट्टियाँ बढ़ाना।	—	—	पूरी शक्तियाँ बशर्ते कि छुट्टी पर गया कर्मचारी लौटने पर इस संस्थान के प्रशासनिक नियंत्रण में रहे।
27	भारत में विदेश सेवा पर स्थानान्तरण की मजूरी देना और विदेश सेवा में वेतन निश्चित करना।	—	—	मूल तथा पूरक नियमों के डाक और तार संचालन भाग 2 के परिशिष्ट 4 में क्रम संख्या 30 के सामने स्तम्भ 5 में उल्लिखित शर्तों के पूरा होने पर अराजपनिव कर्मचारियों के मामले में पूरी शक्तियाँ।

1	2	3	4	5
28. विदेश सेवा से परावर्तन से पूर्व छुट्टी लेने वाले सस्थान के कर्मचारियों के परावर्तन की तिथि निश्चित करना।	---	श्रेणी एक और श्रेणी दो के अधिकारियों के संबंध में पूरी शक्तियां।	श्रेणी 3 और श्रेणी 4 के अधिकारियों के संबंध में पूरी शक्तियां।	
29. अलग-2 मामलों में संस्थान की सेवा में नियुक्ति से पूर्व आयोध्यता प्रमाण-पत्र से छुट्ट देने की शक्ति।	श्रेणी एक और श्रेणी दो में अधिकारियों के संबंध में पूरी शक्तियां।	---	---	---तदैव---
30. जिस कार्य के लिए शुल्क की पेशकश की जाती है उसे करने की तथा अनुपूरक नियमों के उपबन्धों के अनुसार शुल्क स्वीकार करने की मंजूरी देने की शक्ति।	---	श्रेणी एक और श्रेणी दो के अधिकारियों के संबंध में पूरी शक्तियां।	श्रेणी 3 और श्रेणी 4 के अधिकारियों के संबंध में शक्तियां।	
31. अंशकालीन कर्मचारियों को अदा किए गये शुल्क का दर्जा निश्चित करना (यात्रा भत्ता के संबंध में)।	पूरी शक्तियां	कोई नहीं	कोई नहीं	
32. दो या अधिक मार्गों में से सब से तजदीकी या सब से कम किए गये वाले मार्ग का निश्चय करना।	---	---	पूरी शक्तियां	
33. एक स्टेशन पर यात्रा आरम्भ या समाप्त करने के केंद्र का निश्चय करना।	---	---	पूरी शक्तियां	
34. जका अथवा कठिनाई के समय संस्थान का कर्मचारी स्टीमर में किस श्रेणी का अधिकारी है इसका निश्चय करना।	---	---	पूरी शक्तियां	
35. 1600 रुपये से कम वेतन पाने वाले अधिकारियों द्वारा हवाई जहाज से यात्रा।	---	---	नितान्त आवश्यक और अनिवार्य मामलों में पूरी शक्तियां।	
36. दौरे के दौरान दस दिन तक एक स्थान पर पड़ाव डालने की सीमा में छुट्ट मंजूर करने की शक्तियां।	---	---	तीस दिन तक की पूरी शक्तियां (निदेशक को छोड़ कर) जिसके लिए केन्द्रीय सरकार की मजूरी लेनी आवश्यक होगी)।	
37. नियंत्रण अधिकारी कौन होगा और उसके मार्ग दर्शन के लिए नियम कौन बनायेगा उसका निश्चय करना।	---	---	पूरी शक्तियां, बशर्ते कि संस्थान का अधिकारी अपना नियंत्रण अधिकारी निश्चित नहीं किया जाता।	
38. जब चिकित्सा समिति यह कहती है कि कर्मचारी द्वारा आरोग्यता प्राप्त कर काम पर वापिस आने के ठीक-ठीक आसार तजर नहीं आते तो उसे छुट्टी मंजूर करना।	---	पूरी शक्तियां	जिन अधिकारियों का वेतन 500 रुपये प्रति मास से अधिक न हो उनके संबंध में पूरी शक्तियां।	
39. प्रसूति तथा अस्पताली छुट्टी की मजूरी।	---	पूरी शक्तियां	श्रेणी 2, श्रेणी 3 और श्रेणी 4 के संबंध में पूरी शक्तियां।	
40. जिस मार्ग का सामान्यता यात्री उपयोग करते हैं उसको छोड़कर अन्य मार्ग से कार्यारम्भ-काल को गणना करने की अनुमति देना।	---	---	पूरी शक्तियां	
41. 30 दिनों के अवधि की अधिकतम सीमा के अन्तर्गत कार्यारम्भ-काल को बढ़ाना।	---	---	पूरी शक्तियां	

1	2	3	4	5
42.	संस्थान के श्रेणी 3 और श्रेणी 4 कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं में अभिलिखित जन्म तिथि में यदि कोई लेखन अशुद्धि पाई जाये तो उसे परिवर्तित करने की शक्ति।	---	---	पूरी शक्तियां
43.	बकाया वेतन आदि का जो दावा तीन वर्ष से पुराना न हो उसमें जांच की अनुमति देने की शक्ति।	---	---	पूरी शक्तियां
44.	अधिनस्थ कर्मचारियों के संबंध में स्थायी अग्रिम धन राशियां स्वीकृत करने की अनुमति।	---	---	पूरी शक्तियां
45.	बेकार फालतु और अनुपयोगी सामान का निपटारा।	---	---	अनुपयोगी बताने वाले बोर्ड की सलाह पर, निदेशक पूरी शक्तियों का प्रयोग करेगा।
46.	संस्थान के कर्मचारी को दिए गये अग्रिम-धन अवधि के मामले में अपवादात्मक मामले में पुनः अदायगी की अवधि में परिवर्तन करने की शक्ति।	---	---	जिन मामलों में वह अग्रिम धनराशियां स्वीकृत करने के लिए सक्षम है, उनके बारे में पूरी शक्तियां, वशर्ते कि जिन अग्रिम-धन राशियों पर व्याज लिया जाना है, उनकी अदायगी की अवधि न बढ़ाई जाय।
47.	जिन मोटर गाड़ियों को संस्थान से अग्रिम-धन लेकर खरीदा गया है उन्हें बेचने या हस्तान्तरित करने के अधिकार देने की शक्ति।	पूरी शक्तियां	कोई नहीं	कोई नहीं।
48.	जिन कानूनी मुकदमों में संस्थान एक पक्ष है उनके लिए पैिशगियां स्वीकृत करने की शक्ति।	---	---	वित्त समिति से अनुमोदित होने पर पूरी शक्तियां।
49.	रोकड़, सामान आदि रखने का अधिकार जिन अधीनस्थ अधिकारियों को दिया गया है उनके द्वारा निष्पादित किया जाने वाला जांच का फार्म निर्धारित करना।	---	---	वित्त समिति द्वारा अनुमोदित होने पर पूरी शक्तियां।
50.	बजट प्रावधानों के होने पर आकस्मिक और निर्माण-कार्यों के अलावा अन्य सामान की खरीद पर खर्च करने की शक्ति।	---	---	धन उपलब्ध होने पर आकस्मिक और निर्माण-कार्यों के अलावा अन्य सामान की खरीद के लिए निदेशक को पूरी शक्तियां।
51.	मुख्यालय से अनुपस्थिति की सारी अवधि के लिये मील भत्ते को दैनिक भत्ते में बदलने की अनुमति देने की शक्ति।	---	निदेशक के संबंध में पूरी शक्तियां	पूरी शक्तियां।
52.	जब संस्थान के कर्मचारी को संस्थान के खर्च पर संचालन के साधन उपलब्ध किए जाते हैं परन्तु वह उसमें उपयोग या नोदन की सारी लागत अदा कर देता है तो ऐसी अवस्था में किराया या खर्च की राशि निर्धारित करने की शक्तियां।	---	---	पूरी शक्तियां।



1	2	3	4	5	6
53. जो गैर-सरकारी व्यक्ति जांच आयोग की बैठकों में आते हैं उन्हें यात्रा भत्ते की मंजूरी और उनका दर्जा निर्धारित करना।	---	---			पूरी शक्तियां।
54. दस दिन से अधिक काम (इयूटी) पर पहाड़ी स्थानों पर रहने की स्वीकृति देने का अधिकार।	---		श्रेणी-1 और श्रेणी-2 के अधिकारियों में से प्रत्येक मामले में 30 दिन तक की पूरी शक्तियां।	श्रेणी-3 और श्रेणी-4 के अधिकारियों में से प्रत्येक मामले में 30 दिन तक की पूरी शक्तियां।	
55. छुट्टी (विश्रामावकाश सहित) के दौरान यात्रा की स्वीकृति की शक्तियां।	---		निदेशक के संबंध में पूरी शक्तियां।	अन्यों के संबंध में पूरी शक्तियां।	
56. जो संस्थान का कोई कर्मचारी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर भेजा गया हो तो उसे अनुमति यात्रा भत्ता निश्चय करने की शक्तियां।	पूरी शक्तियां	---		यदि प्रशिक्षण काल एक महीने से अधिक नहीं तो पूरी शक्तियां।	

10. कथित विनियम में, अनुसूची-1 के बाद, निम्नांकित अनुसूचियां जोड़ी जायेंगी, नायतः

#### अनुसूची—2

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ में विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति, अनुशासनिक और अपील अधिकारी

क्रम सं०	पदों का वर्गीकरण	नियुक्ति अधिकारी	अपील अधिकारी
		दण्ड देने के लिए सक्षम अधिकारी तथा वह केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के नियम II के सन्दर्भ में क्या-क्या दण्ड दे सकता है	अपील अधिकारी
		अनुशासनिक अधिकारी	केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के अधीन दण्ड

1	2	3	4	5	6
1. निदेशक और सहायक प्राध्यापक के दर्जों से बड़े शिक्षण पद तथा प्रति माह 800 रुपये या इस से अधिक प्रारम्भिक वेतन वाले सभी अन्य पद।	शासी निकाय (नियम 7 के अधीन)	शासी निकाय	सभी		संस्थान/निदेशक के मामलों में केन्द्रीय सरकार।
2. सहायक प्राध्यापक के दर्जों तक के शिक्षण पद तथा प्रति माह 800 रुपये से कम प्रारम्भिक वेतन वाले सभी अन्य पद।	शासी निकाय	शासी निकाय	सभी		संस्थान
3. श्रेणी 2 के पद	अध्यक्ष	निदेशक अध्यक्ष	(i) से (iii) तक सभी।		शासी निकाय
4. श्रेणी 3 और 4 के पद	निदेशक	निदेशक	सभी		अध्यक्ष

## अनुसूची - 3

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़  
(निवास आबण्टन नियमावली 1970)

1. **संक्षिप्त शीर्षक :** इन नियमों को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ (निवास आबण्टन) नियमावली, 1970 कहा जाय।
2. **परिभाषाएं :** इन नियमों में, जब तक अन्यथा परिस्थिति न हो
  - (क) 'आबण्टन' का अर्थ है कि इन नियमों के प्रावधानों के अनुसार निवास स्थान का उपयोग करने के लायसेन्स की मंजूरी,
  - (ख) 'आबण्टन वर्ष' का अर्थ है। जनवरी को प्रारम्भ होने वाला वर्ष अथवा ऐसी अन्य अवधि जो स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ अध्यक्ष द्वारा अधिसूचित की जाए।
  - (ग) 'निदेशक' माने स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ का निदेशक।
  - (घ) 'उपलब्धियों' से अभिप्राय मूल नियम 45-ग में यथा परिभाषित प्राप्ति से है किन्तु इन में प्रतिवार भत्ते सम्मिलित नहीं हैं।

**व्याख्या:—**निलम्बानाधीन कर्मचारी के मामले में उपलब्धियों के मानी जाएंगी जो वह उस आबण्टन वर्ष के प्रथम दिन को प्राप्त कर रहा हो जिस में उसे निलम्बित किया जाता है अथवा यदि उसे आबण्टन वर्ष के पहले दिन निलम्बित किया जाता है तो 'उपलब्धियां' उसकी वह प्राप्ति मानी जायगी जो वह उस तिथि के तुरन्त पूर्व ले रहा हो।

- (ङ) 'परिवार' से अभिप्राय है पत्नी अथवा पति, जैसा भी मामला हो, तथा बच्चे, सौतेले बच्चे विधि पूर्वक गोद लिए बच्चे, माता-पिता, भाई-और बहने जो सामान्य-तया कर्मचारी के साथ रहते हों और उस पर आश्रित हों।

- (च) कोई कर्मचारी नियम 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जिस टाइप के रिहायश का पात्र है उसके लिए उसकी पूर्वता तिथि से अभिप्राय उस सबसे प्रारम्भिक तिथि से है जब से वह छुट्टियों की अवधि को छोड़कर स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के अधीन किसी पद पर किसी विशिष्ट टाइप या उच्चतर टाइप से सम्बद्ध परिलब्धियां निरन्तर ले रहा हो। किन्तु जहां दो या अधिक कर्मचारियों की पूर्वता तिथि एक ही हो तो उन में वरिष्ठता परिलब्धियों की राशि से निर्धारित की जाएगी, अधिक परिलब्धियां प्राप्त करने वाले कर्मचारी उनसे कम परिलब्धियां लेने वाले कर्मचारियों से बरीय होंगे, और जहां परिलब्धियां समान

हों वहां यह बरीयता सेवा अवधि द्वारा निर्धारित की जाएगी।

- (छ) 'किराया' का अर्थ है वह धन राशि जो कर्मचारी द्वारा इन नियमों के अधीन आबण्टित निवास स्थान के बारे में मूल नियमों के उपबन्धों के अनुसार मासिक देय हो।
- (ज) 'निवास स्थान' से अभिप्राय फिलहाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के निदेशक के प्रशासनिक नियन्त्रणाधीन किसी निवास स्थान से है।
- (झ) 'उपभाड़ा' में अलाटी द्वारा दूसरे व्यक्ति के साथ निवास स्थान में ऐसे अन्य व्यक्ति से किराया लेकर या बिना किराया लिए हिस्सेदारी करना सम्मिलित है।

**व्याख्या:—**अलाटी का अपने किसी निकट सम्बन्धी को अपने साथ रखना उपभाड़ा नहीं माना जाएगा।

- (त) 'अस्थायी स्थानान्तरण' का तात्पर्य ऐसे स्थानान्तरण से है जिस में व्यक्ति एक अवधि के लिए जो चार महीनों से अधिक न हो, अनुपस्थित रहे।
- (थ) 'स्थानान्तरण' का अर्थ है चण्डीगढ़ से किसी अन्य स्थान को स्थानान्तरण और इस में राज्य सरकार अथवा संघ शासित क्षेत्र प्रशासन के अन्तर्गत सेवा में परिवर्तन पर स्थानान्तरण सम्मिलित है।
- (द) किसी कर्मचारी का 'टाइप' से अभिप्राय निवास स्थान के उस टाइप से है जिस का वह पात्र है।

### 3. पति और पत्नी को आबण्टन : परस्पर वैवाहिक सूत्र में बन्ध कर्मचारियों के मामले में पात्रता :

यदि किसी कर्मचारी की पत्नी या के पति, जैसा भी मामला हो, को पहले ही कोई निवास स्थान आबण्टित हुआ हो तो ऐसे किसी कर्मचारी को इन नियमों के अन्तर्गत तब तक कोई निवास स्थान आबण्टित नहीं किया जाएगा जब तक वह ऐसे निवास स्थान को लौटा नहीं देता :—किन्तु यह उप-नियम वहां लागू नहीं होगा जहां पति और पत्नी किसी न्यायालय द्वारा दिए गए न्यायिक विच्छेद के आदेश के अनुसार अलग अलग रह रहे हों।

2. जहां इन नियमों के अन्तर्गत उन्हें आबण्टित अलग अलग निवास स्थानों में रह रहे हों दो कर्मचारी परस्पर विवाह कर ले उन्हें विवाह के एक महीने के भीतर एक निवास स्थान छोड़ना पड़ेगा।

3. यदि उप नियम (2) द्वारा यथोपेक्षित कोई निवास स्थान वापिस सौंपा नहीं जाता तो निचले टाइप के निवास स्थान का आबण्टन रद्द हुआ माना लिया जाएगा।

ऐसी अवधि के समाप्त होने पर तथा यदि निवास स्थान एक ही टाइप के हों तो स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के निदेशक जैसा भी निश्चय करें इन में से ऐसे किसी एक निवास स्थान का आबण्टन रद्द हुआ माना जाएगा।

4. जहाँ पति और पत्नी दोनों स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के कर्मचारी हों, इन नियमों के अधीन उन में से प्रत्येक का निवास स्थान के आबण्टन का अलग अलग अधिकार माना जाएगा।

4. निवास स्थानों का वर्गीकरण : इन नियमों द्वारा अन्यथा उपबन्ध होने को छोड़कर, कर्मचारी निम्नलिखित सारिणी में दिए गए टाइप के निवास स्थान के आबण्टन का पात्र होगा :—

निवास स्थान का आबण्टन किए जाने वाले आबण्टन वर्ष वर्गीकरण के प्रथम दिवस को प्राप्त मासिक परि-लब्धियों के हिसाब से कर्मचारी की श्रेणी

टाइप IV (चिकित्सा अधिकारी का निवास स्थान)	चिकित्सा अधीक्षक के लिए आरक्षित
टाइप VI	1000 रु० और उससे अधिक
टाइप VII	751 रु० से 999 रु० तक
टाइप VIII	501 रु० से 750 रु० तक
टाइप IX	350 रु० से 500 रु० तक
टाइप X	200 रु० से 349 रु० तक
टाइप XI	101 रु० से 199 रु० तक
टाइप XII	76 रु० से 100 रु० तक
टाइप XIII	60 रु० से 75 रु० तक
टाइप XIV	60 रु० से नीचे
मंदिर का घर हाउस सर्जनों के क्वार्टर—	

5 आबण्टन के लिए आवेदन —जो कर्मचारी निवास स्थान का आबण्टन अथवा उसे आबण्टित निवास स्थान के आबण्टन को जारी रखना चाहता है वह किसी भी समय आवेदन कर सकता है और उसके लिए वह स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान चण्डीगढ़ को उनके द्वारा ऐसा करने के निदेश होने पर ऐसे फार्म और दग में ऐसी तिथि तक जो स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान चण्डीगढ़ द्वारा निर्धारित की जाएगी आवेदन करेगा।

(2) उप नियम (1) के अधीन निर्देश के पालन से भिन्न किन्तु किसी कलेण्डर माह के 20वें दिन से पूर्व प्राप्त सभी आवेदनों पर आबण्टन के लिए उससे आगामी महीने में विचार किया जाएगा।

6. कर्मचारियों को निवास स्थान का आबण्टन : इन नियमों में अन्यथा उपबन्ध किए जाने की स्थिति को छोड़कर कोई भी निवास स्थान खाली होने पर स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान चण्डीगढ़ के निदेशक द्वारा अधिमानत. उस आवेदक का आबण्टित किया जाएगा जिसने नियम 13 के उपबन्धों के अधीन उस टाइप में निवास का परिवर्तन चाहा हो और यदि उन प्रयोजनों के लिए अपेक्षित न हो तो उस आवेदक को आबण्टित किया जाएगा जो उस टाइप में बिना निवास स्थान हो

और जिसकी निवास स्थान के उस टाइप के लिए सर्वप्रथम पूर्वता हो। इसके लिए निम्न शर्तें होंगी :—

(i) स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान चण्डीगढ़ का निदेशक किसी आवेदक को उस टाइप से ऊंचे टाइप का निवास स्थान आबण्टित नहीं करेगा जिसका वह नियम 4 के अधीन पात्र है।

(ii) स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान चण्डीगढ़ का निदेशक किसी भी आवेदक को उस टाइप से निचले टाइप का निवास स्थान स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं करेगा जिसके लिए वह नियम 4 के अधीन पात्र है।

(iii) स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान चण्डीगढ़ का निदेशक किसी आवेदक से निचले टाइप के निवास स्थान के आबण्टन की प्रार्थना आने पर उसे उस टाइप की पूर्वता तिथि के आधार पर उस टाइप से जिसका वह नियम 4 के अधीन पात्र है, निचले टाइप का निवास स्थान आबण्टित कर सकता है।

(2) यदि किसी कर्मचारी के अधिकार वाले निवास स्थान को खाली कराने की आवश्यकता पड़े तो स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान चण्डीगढ़ का निदेशक उसके वर्तमान आबण्टन को रद्द कर सकता है तथा उसे समान टाइप का कोई वैकल्पिक निवास स्थान अथवा आपाती परिस्थितियों में उस कर्मचारी के अधिकार वाले निवास स्थान के टाइप के अगले निचले टाइप का वैकल्पिक निवास स्थान आबण्टित कर सकता है।

(3) किसी कर्मचारी को उप-नियम (1) के अधीन आबण्टन के अतिरिक्त उसके साथ ही खाली निवास स्थान अन्य पात्र कर्मचारियों को उनकी पूर्वता तिथियों के अनुसार दिया जा सकता है।

7 बारी से बाहर आबण्टन : नियम 6 के उपबन्धों के होते हुए भी स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान चण्डीगढ़ का निदेशक किसी कर्मचारी को उसकी अपनी अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य की गम्भीर बीमारी के आधार पर, यदि आवश्यक समझा जाए तो निर्धारित चिकित्सा अधिकारी से परामर्श ले कर बारी से बाहर निवास स्थान आबण्टित कर सकता है। ऐसे मामलों में आबण्टन के लिए पूर्वता वह तारीख होगी जिसको स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के निदेशक को बारी से बाहर आबण्टन के लिए उस कर्मचारी का आवेदन प्राप्त हो।

8. आबण्टन के प्रस्ताव को अस्वीकार करना अथवा स्वीकृति के बाद आबण्टित निवास स्थान का कब्जा न लेना :— यदि कोई कर्मचारी किसी निवास स्थान के आबण्टन को पांच दिन के भीतर स्वीकार नहीं करता अथवा स्वीकार कर लेने के बाद आबण्टन के पत्र की प्राप्ति की तारीख से आठ दिन के भीतर उस निवास स्थान का कब्जा नहीं लेता तो वह आबण्टन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए दूसरे आबण्टन का पात्र नहीं होगा।

(2) यदि किसी कर्मचारी का जिसके पास निचले टाइप का स्थान हो, उस टाइप का निवास स्थान आबण्टित

किया जाता है अथवा आबण्टन का प्रस्ताव दिया जाता है, जिसका कि वह नियम 4 के अधीन प्राप्त है और जिसके लिए उसने नियम 6 (iii) के अन्तर्गत आवेदन किया हो, उसे उक्त आबण्टन के इन्कार करने पर निम्नलिखित शर्तों पर निवास स्थान आबण्टित किया जा सकता है, नामतः—

- (क) कि ऐसा कर्मचारी उच्च श्रेणी के आवास के आबण्टन पत्र की तिथि से छ. महीने की अवधि के लिए दूसरे आबण्टन का पात्र नहीं होगा,
- (ख) वर्तमान निवास स्थान को रखते हुए उससे वह किराया जो उसे मूल नियम 45-क के अधीन इस प्रकार आबण्टित अथवा आबण्टन के लिए प्रस्तावित निवास स्थान के लिए देना पड़ता या जो वह पहले से अपने अधिकार में रखे निवास स्थान का दे रहा है इनमें से जो भी अधिक हो, लिया जाएगा।

#### 9. आबण्टन बने रहने की अवधि तथा आगे रखने की रियायती अवधि :

आबण्टन उस तिथि में प्रभावी होगा जिस दिन कर्मचारी द्वारा वह स्वीकार किया जाता है और वह तब तक लागू रहेगा जब तक,

- (क) कर्मचारी के ड्यूटी से अलग होने के बावजूद नियम (2) के अधीन अनुज्ञेय रियायती अवधि समाप्त नहीं हो जाती,
- (ख) स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के निदेशक द्वारा रद्द नहीं किया जाता अथवा इन नियमों में किसी भी उपबन्ध के अधीन रद्द हुआ नहीं समझा जाता,
- (ग) कर्मचारी इसे सौंप नहीं देता, अथवा
- (घ) कर्मचारी इस निवास स्थान का कब्जा छोड़ नहीं देता।

(2) नीचे दी गई सारिणी के स्तम्भ 1 में उल्लिखित किसी घटना के होने पर किसी कर्मचारी के आबण्टित निवास स्थान, उप नियम (3) की शर्त पर उसी सारिणी के स्तम्भ 2 में की गई साथ वाली प्रविष्टि में निर्दिष्ट अवधि के लिए उसी के पास रहने दिया जा सकता है बशर्ते वह निवास स्थान उस कर्मचारी अथवा उसके परिवार के सदस्यों के वास्तविक उपयोग के लिए अपेक्षित हो।

#### सारिणी

घटना	निवास स्थान रहने दिए जाने के लिए अनुज्ञेय अवधि
1	2
(1) त्यागपत्र, सेवा से बरखास्तगी या निफाला जाना, सेवा समाप्त अथवा बिना अनुमति के अनधिकृत अनुपस्थिति।	1 महीना

1	2
(ii) सेवा निवृत्ति अथवा सेवान्त अवकाश।	2 महीने
(iii) अलाटी की मृत्यु।	4 महीने
(iv) चण्डीगढ़ से बाहर किसी स्थान में स्थानान्तरण।	2 महीने
(v) चण्डीगढ़ में दूसरे कार्यालय में स्थानान्तरण।	2 महीने
(vi) भारत में अस्थायी स्थानान्तरण अथवा भारत से बाहर किसी स्थान में स्थानान्तरण।	4 महीने
(vii) छुट्टी (सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश) (इन्कार हुई छुट्टियों, सेवान्त छुट्टी, मेडिकल छुट्टी अथवा अध्ययन छुट्टी से भिन्न)।	छुट्टी की अवधि के लिए किन्तु 4 महीने से अधिक नहीं।
(viii) मूल नियम 86 के अधीन मजूर की गई सेवानिवृत्ति पूर्व छुट्टी अथवा इन्कार की गई छुट्टी।	पूर्ण औसत वेतन पर छुट्टी की पूरी अवधि के लिए बशर्ते यह 4 महीने में अधिक न हो जिसमें सेवानिवृत्ति के मामले में अनुज्ञेय अवधि भी सम्मिलित है।
(ix) भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति पर अध्ययनार्थ छुट्टी।	छुट्टी की अवधि के लिए किन्तु 6 महीने से अधिक नहीं।
(x) भारत में अध्ययनार्थ छुट्टी।	—तदैव—
(xi) स्वास्थ्य के आधार पर ली गई छुट्टी की पूरी छुट्टी।	अवधि के लिए।
(xii) प्रशिक्षण के लिए जाने पर।	प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिए।

(3) जहाँ निवास स्थान उप नियम (2) के अधीन रहने दिया जाता है वहाँ यदि वह अधिकारी ग्राह्य रियायती अवधि की समाप्ति पर तुरन्त अपने काम पर नहीं आता तो इस अवधि की समाप्ति पर उसका आबण्टन रद्द हुआ मान लिया जाएगा।

(4) कोई कर्मचारी जिसके पास निवास स्थान उप नियम (2) के नीचे दी गई सारिणी की मद (1) अथवा मद (ii) में दी गई

रिवायत के कारण रहने दिया गया हो वह उस सारिणी में निदिष्ट अवधि के भीतर किसी वरणीय कार्यालय में पुनर्नियुक्त होने पर उस निवास को रखने का अधिकारी होगा और वह इन नियमों के अधीन निवास स्थान का आगे आवंटन का पात्र भी होगा :

किन्तु ऐसे बुबारा रोजगार पर यदि उस कर्मचारी की परि-लब्धियाँ इतनी नहीं होती कि वह अपने अधिकार वाले निवास स्थान के टाइप का अधिकारी हो तो उसे उससे निचला टाइप का निवास स्थान आवंटित किया जाएगा।

10. किराया संबंधी उपबन्ध : जहां निवास स्थान का आवंटन अथवा वैकल्पिक आवास स्वीकार कर लिया जाता है किराए की देयता आवंटन की तारीख से शुरू हो जाएगी जो भी पहले हो।

ओ कर्मचारी, स्वीकृति के बाद, आवंटन पत्र प्राप्त होने की तिथि से आठ दिन के भीतर उस आवास पर कब्जा नहीं करता, उससे ऐसी तिथि से एक महीने की अवधि अथवा उस विशिष्ट आवास के पुनरावंटन की तिथि जो भी पहले हो तक का किराया लिया जाएगा।

(2) यदि किसी कर्मचारी को जो एक निवास स्थान पर कब्जा किए हुए हो, दूसरा निवास स्थान आवंटित किया जाता है और वह नए निवास स्थान पर कब्जा कर लेता है तो उसके पहले निवास स्थान का आवंटन नए निवास स्थान पर कब्जा करने की तिथि से रद्द हुआ मान लिया जाएगा। वैसे, वह स्थान बदलने के लिए पहले निवास स्थान को बिना किराया दिए उस दिन तथा उसके दूसरे दिन तक अपने पास रख सकता है।

11. जब तक निवास स्थान खाली किया जाता है तब तक किराये की अदायगी करने तथा अस्थायी कर्मचारियों द्वारा जमानती प्रस्तुत करने का व्यक्तिगत दायित्व।

वह कर्मचारी जिसको कोई निवास स्थान आवंटित किया गया हो उस अवधि के लिए जिसमें वह निवास उसे आवंटित किया गया है और उसके नाम आवंटित रहता है अथवा जहां इन नियमों के किसी भी उपबन्ध के अधीन आवंटन रद्द कर दिया गया हो, वहां उस निवास से सम्बद्ध उप भवनों सहित निवास स्थान के खाली किए जाने तथा पूरा खाली किए गए निवास स्थान के संस्थान को सौंपे जाने तक के लिए उसके किराए के लिए और उसमें तथा संस्थान द्वारा उसमें किए गए साज सामान, जुड़ी हुई वस्तुएं अथवा उपस्कर अथवा सेवाओं में सामान्य टूट-फूट से ऊपर हुई क्षति के लिए व्यक्तिगत रूप में जिम्मेदार होगा।

(2) जहां वह कर्मचारी जिसको निवास आवंटित किया गया है सरकार/स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ का न तो स्थायी और न स्थायीवत् कर्मचारी हो, उससे लिए जाने वाले ऐसे निवास स्थानों और सेवाओं तथा उनके बदले दिए गए किसी अन्य निवास स्थान का किराया तथा अन्य शुल्क के भुगतान के लिए इस सम्बन्ध में संस्थान द्वारा निर्धारित प्रपत्र में जमानती अनुबन्ध भरेगा और एक जमानती भी देगा जो सरकार/

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ का स्थायी कर्मचारी होगा।

(3) यदि जमानती सरकार/स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ की सेवा में नहीं रह जाता अथवा दोबालिया हो जाता है या अपनी प्रत्याभूति वापिस ले लेता है या किसी अन्य कारण से नहीं मिल पाता तो कर्मचारी ऐसी घटना या तथ्य की जानकारी होने की तिथि से तीस दिन के भीतर किसी दूसरे जमानती द्वारा भरा गया नया अनुबन्ध देगा और यदि वह ऐसा नहीं करता/करती तो जब तक स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ का निदेशक कोई अन्यथा निर्णय नहीं देता, उसके नाम का आवंटन उस घटना की तिथि से रद्द हुआ मान लिया जाएगा।

12. आवंटन छोड़ना और नोटिस की अवधि : कोई भी कर्मचारी सूचना देकर जो स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के निदेशक के पास निवास स्थान खाली करने की तिथि से कम से कम दस दिन पूर्व पहुँच जानी चाहिए, किसी भी समय आवंटन को वापिस सौंप सकता है। निवास स्थान का वह आवंटन स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के निदेशक को पत्र मिलने की तिथि के बाद ग्यारहवें दिन से अथवा पत्र में निदिष्ट तिथि से, जो भी बाद में हो, रद्द हुआ मान लिया जाएगा। यदि वह बकायदा नोटिस नहीं देता तो वह दस दिन अथवा दस दिन में से उसके नोटिस देने के जितने दिन कम होते हैं उतने दिनों का किराया देने का उत्तरदायी होगा, किन्तु स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ का निदेशक अल्पावधि नोटिस स्वीकार कर सकता है।

13. निवास परिवर्तन : कोई भी कर्मचारी जिसे इन नियमों के अधीन निवास स्थान आवंटित है उसी टाइप के दूसरे निवास अथवा नियम 4 के अधीन वह जिस टाइप का पात्र है उस टाइप के निवास, जो भी निचला हो, में परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकता है। कर्मचारी को आवंटित एक टाइप के निवास के लिए एक से अधिक परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी।

(2) स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के निदेशक द्वारा विहित प्रपत्र पर किए गए और किसी कलेण्डर महीने की 19वीं तारीख तक प्राप्त परिवर्तन के सभी आवेदनों को अगले महीने में प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित कर दिया जाएगा। इस नियम के प्रयोजन के लिए वे कर्मचारी जिनके नाम पूर्वे महीने में प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित हो जाते हैं उन कर्मचारियों से सामूहिक रूप से बरीय होंगे जिनके नाम परवर्ती महीनों में सूची में सम्मिलित होते हैं। किसी एक महीने में सूची में सम्मिलित कर्मचारियों की परस्पर बरीयता उनकी पूर्वता तिथियों के क्रम से निर्धारित होगी।

(3) परिवर्तन उप नियम (2) के अनुसार निर्धारित बरीयता के क्रम से और यथासम्भव कर्मचारियों के पूर्वाधिकारों को ध्यान में रखते हुए दिया जाएगा।

(4) यदि कोई कर्मचारी उसको दिए गए निवास-परिवर्तन को ऐसे प्रस्ताव अथवा आवंटन के जारी होने के पांच दिन के भीतर

स्वीकार नहीं कर पाता तो उस टाइप के निवास के परिवर्तन के लिए उसके आवेदन पर पुनः विचार नहीं किया जाएगा।

(5) निवास परिवर्तन स्वीकार कर लेने के बाद जो कर्मचारी उसका कब्जा लेने से रह जाता है उसमें मूल नियम 45-क के अधीन पहले से उसके कब्जे वाले निवास स्थान के जिसका कि आर्बंटन उसके नाम बना रहेगा, सामान्य किराए के अतिरिक्त नियम 10 के उपबन्धों के अनुसार ऐसे परिवर्तित निवास का किराया लिया जाएगा।

#### 14. परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु का स्थिति में निवास परिवर्तन

नियम 13 में निहित किसी भी बात के होते हुए भी किसी भी कर्मचारी को उसके परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु पर यदि वह ऐसी घटना होने के तीन महीने के भीतर परिवर्तन के लिए आवेदन करता/करती है निवास परिवर्तन दिया जा सकता है किन्तु यह परिवर्तन निवास स्थान के उसी टाइप में और उसी मंजिल में दिया जाएगा जिसमें उसे पहले का निवास स्थान आवंटित था।

15. निवास स्थान का परस्पर विनिमय : जिन कर्मचारियों को इन नियमों के अन्तर्गत एक ही टाइप के निवास स्थान आवंटित हैं वे अपने निवास स्थानों के परस्पर विनिमय की अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। परस्पर विनिमय की अनुमति दी जा सकती है यदि दोनों कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत कारण युक्ति संगत हों, दोनों की चण्डीगढ़ में ही इयूटी पर रहने और ऐसे विनिमय की अनुमति की तिथि से कम से कम छः महीने तक अपने पारस्परिक विनिमित्त निवासों में रहने की सम्भावना हो।

#### 16. परिवार साथ न रखे जाने वाले स्थानों को स्थानान्तरण

यदि किसी कर्मचारी का स्थानान्तरण ऐसे स्थान को हो जाता है जहाँ सरकार/स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ उसे अपना परिवार साथ ले जाने की अनुमति अथवा सलाह न दे और इन नियमों के अधीन उसे दिए गए निवास स्थान की उसे अपने बच्चों की वास्तविक शिक्षा आवश्यकताओं के लिए अपेक्षा हो तो ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर उसे वह निवास स्थान चण्डीगढ़ में उसके बच्चों के चालू शिक्षा सत्र के अन्त तक मूल नियम 45-क के अधीन किराया दिए जाते रहने पर अपने पास रखने की अनुमति दी जा सकती है।

17. निवास स्थान का रख-रखाव : वह कर्मचारी जिसे निवास स्थान आवंटित किया गया है संस्थान के अधिकारियों की सन्तुष्टि के अनुकूल उस निवास स्थान तथा अहाते का रख-रखाव करेगा उसे साफ सुथरा रखेगा। ऐसा कर्मचारी सरकार/स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के विपरीत, संस्थान की पूर्व लिखित अनुमति के अलावा उस निवास से सम्बद्ध किसी उद्यान आंगन या अहाते में कोई पेड़, झाड़ी या पौधा नहीं उगाएगा अथवा किसी विद्यमान पेड़ अथवा झाड़ी को नहीं काटेगा या काट-छाट नहीं करेगा। इस नियम के उल्लंघन में उगाए गए पेड़, पौधे, गन्तव्यस्थानों को या निदेशक स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़

द्वारा उन्हें उखाड़ने के हर्ज खर्च का दायित्व सम्बन्धित कर्मचारी पर होगा।

#### 18. निवास स्थान को किराये पर उठाना तथा उसमें साझेदारी करना

कोई भी कर्मचारी उसे आवंटित निवास स्थान या उसके बहिर्गृहों को किराए पर नहीं देगा अथवा उसमें साझेदारी नहीं करेगा। नौकरों के क्वार्टरों/बहिर्गृहों का उपयोग केवल वास्तविक प्रयोजन के लिए जिनमें अलादी के नौकरों का निवास सम्मिलित है अथवा ऐसे अन्य प्रयोजनों के लिए किया जा सकता है जिनके लिए निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ अनुमति दे।

(2) कोई कर्मचारी जो अपने निवास स्थान को किराए पर देगा या उसमें किसी को साझेदार बनाएगा वह ऐसा अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर करेगा और उस निवास स्थान के लिए देय किराए और उस स्थान को अथवा उसके परिवेश या मैदानों या उसमें सम्पत्ति द्वारा दी गई सेवाओं में उचित टूट-फूट से पड़े हुई किसी भी क्षति के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार रहेगा।

#### 19. नियमों और शर्तों को भंग करने के परिणाम

(1) यदि कोई कर्मचारी उसको आवंटित निवास स्थान में किसी को साझेदार बनाता है या उसे किराए पर देता है या उस इलाके में उत्पात मचाता है या उस निवास के किसी हिस्से में कोई अनधिकृत ढांचा खड़ा करता है या निवास का या उसके किसी भाग का निहित प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजनों के लिए उपयोग करता है या बिजली अथवा पानी के कनेक्शनों में छेड़-छाड़ करता है या इस सम्बन्ध में नियमों को अथवा आवंटन की शर्तों को किसी अन्य प्रकार से भंग करता है या उस निवास स्थान पर अहाते का ऐसे प्रयोजनों के लिए उपयोग करता है या उस निवास स्थान या अहाते का ऐसे प्रयोजनों के लिए उपयोग होने देता है जो निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के विचार से अनुचित है अथवा ऐसा कोई व्यवहार करता है जो निदेशक के मत में पड़ोसियों के साथ सद्भावपूर्ण सम्बन्धों के बनाए रखने में प्रतिकूल है अथवा उसने आवंटन प्राप्त करने के उद्देश्य से किसी आवेदन पत्र अथवा विवरण में जान बूझकर कोई गलत सूचना दी है तो निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ किसी अन्य अनुशासनिक कार्यवाही को जो उसके विरुद्ध की जा सके अप्रभावित रखते हुए उस निवास स्थान का आर्बंटन रद्द कर सकता है।

व्याख्या :—इस उप नियम में “कर्मचारी” शब्द-प्रयोग से जब तक कि सन्दर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, उसके परिवार का कोई सदस्य और कोई भी व्यक्ति जो उस कर्मचारी की ओर से दावेदार हो सम्मिलित है।

(2) यदि कोई कर्मचारी उसे आवंटित निवास स्थान को अथवा उसके किसी भाग को अथवा उससे सम्बद्ध किसी बहिर्गृह/नौकरों के क्वार्टर/गैराज या अस्तबल को इन नियमों का उल्लंघन कर किराए पर देता/देती है तो उससे, उसके विरुद्ध की जा सकने वाली किसी अन्य कार्यवाही को अप्रभावित रखते हुए, बढ़ा हुआ किराया लिया जा सकता है जो मूल नियम 45-क के अधीन मानक

किराए के चौगुने से अधिक नहीं होगा। प्रत्येक मामले में किराया कितना कमूल किया जाए और वह कितनी अवधि का लिया जाए इसका निर्णय निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ द्वारा मामले के गुणावगुणों के आधार पर लिया जाएगा।

(3) अलाटी द्वारा उस स्थान को अनधिकृत रूप से किराए पर देने के कारण जहाँ आवण्टन रहता है, नतीजतन कार्रवाई की जाती है वहाँ अलाटी को और उसके साथ रह रहे किसी अन्य व्यक्ति को उस स्थान को खाली करने के लिए साठ दिन का समय दिया जाएगा। यह आवण्टन उस स्थान को खाली किए जाने की तिथि से अथवा आवण्टन रद्द करने के आदेशों की तिथि से साठ दिन की अवधि की समाप्ति से, जो भी पहले हो, रद्द कर दिया जाएगा।

(4) जहाँ किसी निवास स्थान का आवण्टन पड़ोसियों के साथ सद्भावपूर्ण सम्बन्धों के बनावे रखने के प्रतिकूल आचरण के कारण रद्द किया जाता है वहाँ उस कर्मचारी को निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सक शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ के विधेयक पर किसी अन्य स्थान में उसी श्रेणी में दूसरा निवास स्थान आवण्टित किया जा सकता है।

(5) इस नियम के उप नियम (1) से (4) तक के अधीन सभी अथवा कोई कार्यवाही करने तथा इन नियमों और उसे जारी किए गए अनुदेशों को भंग करने वाले कर्मचारी को एक ऐसी अवधि के लिए जो तीन वर्ष से अधिक न हो निवास स्थान के आवण्टन के अपात्र घोषित करने के लिए निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ सक्षम होगा।

#### आवण्टन रद्द होने के बाद भी निवास स्थान में ठहरना

जहाँ आवण्टन रद्द कर दिए जाने अथवा इन नियमों में निहित किसी उपबन्ध के अधीन रद्द हुआ समझे जाने के बाद वह निवास स्थान उस कर्मचारी के जिसको वह आवण्टित था अथवा उसकी ओर से दावेदार किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में रहता है तो ऐसा कर्मचारी उस निवास के सेवाओं, साज सामान और उद्यान के उपयोग तथा कब्जे के लिए इतने बाजार किराए के बराबर हर्जाना देने का जिम्मेदार होगा जितना कि संस्थान द्वारा समय समय पर निर्धारित किया जाए।

किन्तु विशेष मामलों में निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ किसी कर्मचारी को मूल नियम 45-क के अधीन पूल मानक किराए के दुगुना रकम देने पर नियम 9 (2) के अधीन अनुमत अवधि से आगे अधिकतम छः महीनों की अवधि के लिए निवास स्थान अपने पास रखने की आज्ञा दे सकता है।

#### २१. इन नियमों के आरंभ होने से पूर्व किये गए आवण्टनों का बना रहना :—

निवास स्थान का कोई भी मान्य आवण्टन जो तत्कालीन नियमों के अधीन इन नियमों के लागू होने से तुरन्त पूर्व अस्तित्व में है, उस कर्मचारी के जिसको यह आवण्टन हुआ है नियम 4 के अधीन उस टाइट के निवास का अधिकारी न होते हुए भी इन नियमों के अधीन विधिवत किया हुआ आवण्टन माना जाएगा और

उस आवण्टन और उस कर्मचारी के मामले में नदनुगार इन नियमों के सभी पूर्ववर्ती उपबन्ध लागू होंगे।

22. नियमों का निर्वचन : यदि इन नियमों के निर्वचन के बारे में कोई प्रश्न उठता है तो इसका निर्णय इस संस्थान के जामी निकाय द्वारा किया जाएगा।

23. नियमों में शिथिलता: शासी निकाय किसी कर्मचारी अथवा कर्मचारी वर्ग अथवा निवासों के टाइट के मामले में कारणों को लिखित रूप में रिकार्ड करके इस सम्बन्ध में बने इन नियमों के सभी अथवा किन्हीं उपबन्धों को शिथिल कर सकता है।

24. शक्तियों अथवा कर्तव्यों का प्रतिनिधान : संस्थान का शासी निकाय ऐसी शर्तों पर जिन्हें लगाना वह उचित समझे इस सम्बन्ध में इन नियमों द्वारा उसे प्रदत्त किसी अथवा सभी शक्तियों को निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ को सौंप सकता है।

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1971

मं० एफ० 10-20/66-चि० शि० (स्नातकोत्तर)—  
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसन्धान अधिनियम 1966 (1966 का 51) की धारा 32 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़, केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से एतद् द्वारा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ विनियम 1967 का संशोधन करने के लिए आगे और निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः—

#### 1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ।

- (1) इन विनियमों को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ (द्वितीय संशोधन) विनियम 1970 कहा जाए।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़, विनियम 1967 में विनियम 37 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम सम्मिलित किया जाएगा, नामतः—

“37 (क) सेवा-निवर्तन : (1) निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, शिक्षण संकाय के सदस्यों तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से भिन्न संस्थान के कर्मचारियों की सेवा-निवर्तन आयु 58 वर्ष होगी।

- (2) निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, शिक्षण संकाय के सदस्यों तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सेवा-निवर्तन आयु 60 वर्ष होगी।

परन्तु लिखित रूप में कारणों को बताते हुए विशिष्ट मामलों में गुणावगुणों के आधार पर तथा संबंधित सदस्यों की शारीरिक आरोग्यता और सतत् वक्षता के अनुसार शिक्षण संकाय के सदस्यों की सेवाएं 62 वर्ष की आयु तक रखी जा सकती हैं।

(3) इस विनियम में निहित किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी के यदि उसके विचार में ऐसा करना लोक हित में है, संस्थान के किसी भी कर्मचारी को लिखित नोटिस देकर, जो तीन मास से कम न हो, अथवा ऐसे नोटिस के बदले में 3 मास के वेतन तथा भत्ते देकर सेवा निवृत्त करने का पूर्ण अधिकार होगा

(i) यदि वह प्रथम श्रेणी अथवा द्वितीय श्रेणी सेवा अथवा पद पर है और उसने संस्थान की इस सेवा में 35 वर्ष की आयु का हटने से पूर्व प्रवेश किया है, तो उसके 50 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् और

(ii) किसी दूसरे मामले में उसके 55 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् परन्तु इस उप विनियम का कुछ भी चतुर्थ श्रेणी सेवा अथवा पद के उस कर्मचारी को लागू नहीं होगा जो 7-8-70 को और इस से पूर्व सेवा में दाखिल हुआ।

संस्थान के प्राधिकार द्वारा  
हस्ताक्षर/  
निदेशक,  
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं  
अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ :

### STATE BANK OF INDIA

#### Central Office

*Bombay, the 14th June 1971*

In pursuance of Regulation 76(1) of the State Bank of India General Regulations, 1955, the Executive Committee of the Central Board has empowered the Chief Vigilance Officers at Local Head Offices/Regional offices to exercise the signing powers specified therein.

By order of the Executive Committee of the Central Board

*The 23rd June 1971*

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified:—

Shri P. Krishnan Nayar has been appointed as Branch Inspector on the Central Office staff as from the 23rd June 1971.

**T. R. VARADACHARY**  
*Managing Director*

### STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

#### Head Office

*Jaipur, the 19th June, 1971*

The following appointments and postings in the Bank are hereby notified:—

*Chandni Chowk, Delhi.*

Sarvashri P. K. Lakhanpal and K. C. Agrawal to be Assistant Accountant from 1-2-1971 and 19-4-1971 respectively.

Shri C. S. Bhadauria to be Field Officer from 10-6-1971.

*Khari Baoli, Delhi.*

Shri D. P. Bhardwaj to be Assistant Accountant from 1-2-1971.

*New Delhi.*

Shri N. K. Lall to be Accountant from 11-1-1971.

Sarvashri S. L. Goel and S. N. Mehra to be Assistant Accountant with effect from 22-12-1970 and 26-4-1971 respectively.

*New Rohtak Road, New Delhi.*

Shri R. K. Gupta to be Assistant Accountant from 21-11-1970.

*Government Section, Delhi.*

Shri D. N. Sachdeva to be Assistant from 8-12-1970.

*Sd/-*  
**C. P. SAIGAL**  
*General Manager.*  
**S. M. AGRAWAL**  
*Chief Accountant.*

### MINISTRY OF AGRICULTURE

#### (Department of Food)

#### National Sugar Institute

*Kanpur the 25th June 1971*

No. 13(3)/71.—The undersigned is pleased to declare that on the recommendation of Board of Examiners dated 21-6-71, Shri Jagdish Prakash Gupta is awarded the Fellowship of the National Sugar Institute (F.N.S.I.) in 1971.

*Sd/-*  
**SURESH CHANDRA GUPTA**  
*Director*

### EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

*New Delhi, the 21st June 1971*

No. 12-(1)/71-Med. II.—In pursuance of the resolution passed by the Employees' State Insurance Corporation at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon me the powers of Corporation under Regulation 105 of the Employees' State Insurance Corporation (General) Regulations, 1950 and in partial modification of Notification No. 12-(1)/16/64-Med. II dated the 24th April, 1968, I hereby authorise the Superintendent E.S.I. Hospital, Adoni to function as medical authority with effect from 21st April, 1971 (F.N.) with jurisdiction over Adoni for the purposes of medical examination of insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

**T. C. PURI**  
*Director General*



**PUNJAB WAKF BOARD AMBALA CANTT.***Ambala Cantt., the 12th April 1971*

No. . 37 (Mutwallis)

**PROPOSAL ABOUT APPOINTMENT OF MUTWALLI  
Resolution No. 19.**

Under Board's resolution No. 24 dated 19th February 1968 the Secretary, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt. was appointed as *ex-officio* mutwalli of all the wakfs under direct management of the Wakf Board for a period of one year ending 31-3-69. Under Board's resolution No. 20 dated 19-3-69 this period was further extended for an other one year *viz.* upto 31-3-70. This period was further extended upto 31-3-71 under resolution No. 15 dated 26-3-70.

Unanimously resolved that in exercise of its powers under Section 42 of the Wakf Act and Punjab Government (Judicial Department) Notification No. 38(15) 61/7529, dated 27th February 1961 (Published in the Punjab Government Gazette dated March 3, 1961, Part I, page 637) the Punjab Wakf Board hereby extends the term of appointment of the Secretary Punjab Wakf Board as *ex-officio* Mutwalli (Trustee) of all the wakfs situated in the States of Punjab, Haryana, Union Territory of Chandigarh and the territory to Himachal Pradesh under the Punjab Recorganisation Act 1966, with authority to exercise the following powers; for another one year *viz.* up to 31-3-72 :—

**Delegated powers of Trustee (Mutawalli).**

1. The Trustee (Mutwalli) will have the powers to appoint Property Officer, Legal Inspectors, Field Inspector and the Survey Inspectors, who are employees of the Wakf Board, as Naib Mutwallis and to delegate all or any of his powers to them as he may deem fit.
2. The Trustee (Mutwalli) will have the powers to institute any suit or application, in any civil, criminal or revenue court, or before the Rent Controller, Land Acquisition Officer, or in any other office including Chakbandi office on behalf of the wakf and to defend, pursue all cases which the Punjab Wakf Board has already instituted on behalf of the Wakfs.
3. The Trustee (Mutwalli) shall have the powers to defend and pursue all the suits and applications which have already been instituted in the above courts or offices against the Board or which may be instituted in future.
4. The Trustee (Mutwalli) will have the power to engage lawyears and advocates. In case the fee of lawyers or advocate is more than Rs. 200/- in a case then he will obtain the sanction of the Punjab Wakf Board.
5. The Trustee (Mutwalli) will have powers to sanction the payment of prescribed court-fees and other legal expenses in all the cases instituted in any court of office mentioned above and to pay land revenue and other taxes.
6. The Trustee (Mutwalli) shall take all measures to recover lost wakf properties and to file suit and applications in any of the above courts of offices to get the encroachments on wakf properties removed or relating to those properties which have been illegally disposed of. With the approval of the Trustee (Mutwalli) the Naib Mutwallis will also be entitled to institute suits and applications for the purpose.
7. The Trustee (Mutwalli) shall take care of wakf properties.

8. The Trustee will have the powers to recover land rent (Chakota) rent and other income from the wakf properties. This recovery will be made through the Property Officers and Field Inspectors. The Mutwalli and the Naib Mutwallis with the approval of the Mutwalli shall have the powers to institute in competent courts, suits, cases or applications for the recovery of the chakota, rent and other income of wakf properties. The Mutwalli can delegate powers for this purpose to the Rent Collectors for instituting suits before the Panchayat either by a general or special order.

9. The Trustee will be entitled to lease out the agricultural land on a chakota up to Rs. 1,000 per annum for a period up to three years.
10. The Trustee will be entitled to let out urban vacant plots up to a rent of Rs. 50 per mensem and for one year only.
11. The Trustee will have the power to settle rent of urban properties such as buildings, shops and houses etc., when the rent does not exceed Rs. 200/- per mensem.
12. The resolution will be valid up to 31st March, 1972.
13. This resolution shall not be applicable to the following wakfs the Mutwallis of which have already been appointed by the order of Government of India or of the Punjab Wakf Board.

Sr. No.	Name of Mutwalli	Name of wakf with location
1.	Muslim Trust Committee, Simla.	All wakfs situated in Simla district.
2.	Mohd. Ahmad Rehmani, Ludhiana.	1. Masjid Nawab Wali No. B VII 206 Village Ludhiana. 2. Masjid Choongran, No. B XI-214 Jail Road, Ludhiana. 3. Masjid Madresa Talian-ul-quran No. B XI-154. 4. Masjid Khawaja Nuruddin Ahmad Shah No. B-VI-195.
3.	Maulana Said-ur-Rehman Ludhiana.	1. Masjid Pipal Wali, No. B-VI-144, Near Police Station No. 3. 2. Idgah opposite police lines No. 358/A. 3. Takia Shah Sohden, Chaure Bazar, No. B-11/404-406. 4. Graveyard Baba Ata Shah No. B-1-618. 5. Jama Masjid Doo Manzli No. B-IX-187, Ludhiana.
4.	Under direct management of Wakf Board.	1. Dargah Boo Ali Shah Qalander, Panipat. 2. Dargah Makhdoon Sahib, Panipat. 3. Dargah Shah Vilayat Sahib Panipat. 4. Dargah Haji Wali Mohammed Panipat. 5. Madarsa Islamia, Panipat. 6. Dargah Shed Mehmood Sahib, Panipat.

S. No.	Name of Mutwalli	Name wakf with location
5. Shri Umed Ali Khan Jullundur.		1. Dargah Haiz Ghulam Qalandar Nikodar Road, Jullundur.
6. H. H. Begam Sahiba, Pataudi (Gurgaon)		1. Khankah Pir Mohammed Sahib Moazzamabad Pataudi (Gurgaon). 2. Khankah Syed Shahabuddin Sahib, Sherpur, Pataudi (Gurgaon). 3. Masjid and Khankah, Syed Rashid Ali, Sahib, Pataudi (Gurgaon). 4. Khankah Syed Sadruddin Sahib, Village Noorgah Pataudi (Gurgaon).
7. Pirji Asrar Ahmed Sahib Panipat.		1. Dargah Pir Ahmad Hasan Sahib, Panipat, 67/12 & House No. 68/12.
8. Committee consisting of Sarvshri Abdul Halim, Ghulam Reasool & Ameeq Ahmed for 2 years w.e.f. 1-8-1970.		1. Jama Masjid, Malerkotla.
9. Committee consisting of Sarvshri Rashid Ahmed, Narsiruddin, Yamin, Sharif Mohammed, for 5 years w.e.f. 1-4-1970.		1. Mosque. 2. Graveyard. 3. Khankah Dhuman Shah. 4. Takia, at village Malakpur Khada Tehsil Jagadhri District Ambala.

Note.—One copy of the resolution pasted on Notice-board.

No. 37.—In exercise of the powers conferred by resolution No. 19 dated 12-4-71 of the Punjab Wakf Board, the Secretary of the Punjab Wakf Board in his capacity as *ex-officio* Trustee (Mutwalli) Aukafs mentioned in the aforesaid resolution, hereby appoints all the property officers, Legal Inspectors, Field Inspectors, and Survey Inspectors who are employees of Wakf Board as *ex-officio* Naib Mutwallis of their respective areas. They are authorised to exercise the following powers :—

1. To sue and defend case on behalf of the Aukaf in civil, criminal and revenue courts or file application or plead before the rent Controller, Land Acquisition Officer (Collector), Chakbandi and other officers, engaging or appointing lawyers or advocates for the above purposes and take proper and legal steps concerning wakf property but in each case prior approval of the secretary (trustee) will have to be obtained before any case, suit or application is filed or compromised.
2. To take action for the recovery of lost wakf properties and to file suits or cases or applications in any civil criminal or revenue courts or offices to get the encroachment on wakf properties removed or relating to those properties which have been illegally disposed of, engaging or appointing lawyers or advocates for the above purposes, but in each case prior approval of the Trustee will have to be obtained before any such case, suit or application is filed or compromised.
3. To submit proposals for leasing out wakf properties both urban and rural.
4. To Collect lease money (chakota) of agricultural land and rent of buildings, shops, houses

and plots in urban areas and other income from wakf properties through the Rent Collectors.

5. All the Rent Collectors are hereby authorised to file cases, suits and applications before village panchayats for recovery of wakf dues and losses to wakfs on their own initiative.

NOTE :—One copy pasted on Notice board.

GHAZANFAR ALI KHAN,  
Secretary,  
Punjab Wakf Board.

## MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING, WORKS, HOUSING & U.D.

(Department of Health)

### Post Graduate Institute of Medical Education & Research

New Delhi, the 24th February 1970

No. F. 1-54/69-ME(PG).—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 32 of the post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act, 1966 (51 of 1966), the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, with the prior approval of the Central Government hereby makes the following regulations to amend the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Regulations, 1967, namely :—

1. *Short.* These regulations may be called the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh (Amendment) Regulations, 1970.

2. In the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Regulations, 1967 (hereinafter referred as the said Regulations) in regulation 6, for sub-regulation (2) the following shall be substituted, namely :—

“(2) If within half an hour from the time appointed for holding a meeting, the quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week at the same time and place and notice of such adjourned meeting shall be given to each member who is not present at the meeting on the same day by post or telegram or special messenger, as the case may require.”

3. In regulation 12 of the said Regulations, for the word “Schedule”, the word and figure “Schedule 1” shall be substituted.

4. In regulation 16 of the said Regulations, for sub-regulation (2), the following shall be substituted, namely :—

“If within half an hour from the time appointed for holding a meeting the quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week at the same time and place and notice of such adjourned meeting shall be given to each member who is not present at the meeting on the same day by post or telegram or special messenger, as the case may require.”

5. In the said Regulations for regulation 22, the following shall be substituted, namely :—

“22. The President shall exercise such powers and discharge such functions as prescribed in the Act, Rules and Regulations”.

6. In regulation 25 of the said Regulations, in sub-regulation (1), for the word "Schedule", the word and figure "Schedule I" shall be substituted.

7. In the said Regulations, for regulation 30, the following shall be substituted, namely :—

*"Employees to be whole-time servants :* Unless in any case it be otherwise distinctly provided the whole time of an employee of the Institute shall be at the disposal of the Institute and he may be employed in any manner required by the proper authority of the Institute without claim for additional remuneration."

8. In the said Regulations after regulation 30, the following shall be substituted, namely :—

"31. *Permanent and temporary posts :* The posts in the service of the Institute shall be either "permanent posts" that is, posts carrying a definite rate of pay sanctioned without any limit of time or "temporary posts" that is posts carrying a definite rate of pay sanctioned for a limited time.

32. *Qualifications for appointments :* (1) Age, experience and other qualifications for appointment to a post under the Institute shall be prescribed by the appointing authority keeping in view the qualifications and experience prescribed by the Central Government for similar posts before applications of candidates are called for subject to the conditions that non-medical personnel shall not be appointed to the post of Director and Medical Superintendent.

(2) While making appointments to posts in the Institute, the appointing authority shall take into consideration the claims of members of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes consistently with the maintenance of efficiency of administration and teaching at the Institute. So far as practicable, the percentage of reservations prescribed by the Central Government for Schedule Castes/Schedule Tribes candidates in the matter of appointments to posts in the Central Government shall be observed in filling the posts in the Institute.

(3) Such fees upto Rs. 7.50 as may be decided by the appointing authority for each category may be charged from candidates applying for appointment to posts in the Institute. Remission of 75 percent of the fees shall be made in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

33. *Period of probation :* Unless otherwise decided by the appointing authority in any case, all employees shall be on probation for two years. During the period of probation, the employee shall be required to put in satisfactory service failing which his services shall be liable to termination at any time without any notice or reason being assigned for the same. The appointing authority may, however, extend the period of probation.

34. *Seniority :* Seniority of employees of the Institute in each category shall be determined by the order of merit in which they were selected for appointment to the grade in question, those selected on an earlier occasion being ranked senior to those selected later :

Provided that the seniority inter-se of employees, other than the teaching staff of the Institute shall be determined by the length of continuous service on a post in a particular service :

Provided further that in the case of members recruited by direct appointment, the order of merit determined by the Commission or the Selection Body shall not be disturbed in fixing the seniority :

Provided further that in case of two members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows :—

- (a) a member recruited by direct appointment shall be senior to a member recruited otherwise;
- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer;
- (c) in the case of members appointed by promotion or other transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred; and
- (d) in case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment and if the rates of pay drawn are also the same, then by their length of service in those appointed if the length of such service is also the same an older member shall be senior to a younger member.

Note 1. This rule shall not apply to members appointed on purely provisional basis pending their passing the qualifying test.

Note 2. In the case of members whose period of probation is extended the date of appointment for the purpose of these rules shall be deemed to have been deferred to the extent the period of probation is extended.

35. *Leave :* Temporary and permanent employees of the Institute shall be entitled to such leave and leave salary as are admissible to the corresponding categories of Central Government servants under the Revised leave Rules, 1933, as amended from time to time :

Provided that for purposes of Central Government's Revised Leave Rules, 1933, the following categories of teaching staff of the Institute shall be treated as serving in the vacation department :

1. Professors (including Director Professor and Additional Professor).
2. Associate Professors
3. Assistant Professors
4. Lecturers (including Senior Lecturers).

The regular vacation for the purpose shall be as may be decided by the Governing Body from time to time :

Provided further that incumbents on deputation, to the Institute as on foreign service, shall be governed by leave rules as may be stipulated in the conditions of their deputation.

36. *Absence from duty :* Unless otherwise decided by the President in exceptional circumstances, no permanent employee of the Institute shall be away from his post, otherwise than on foreign service or because of suspension, for more than 5 years at a stretch including the period of leave which may have been sanctioned.

37. *Age at recruitment :* The maximum age of a candidate at the time of recruitment to the service of the

Institute shall normally be 50 years for teaching posts and 30 years for non-teaching posts. This limit may be relaxed by the Governing Body.

38. *Conduct, Discipline and Penalties* : (1) The Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, shall apply, *mutatis-mutandis*, to employees of the Institute.

(2) Part IV (Suspension), Part V (Penalties and Disciplinary Authorities), Part VI (Procedure for Imposing Penalties), Part VII (Appeals) and Part VIII (Review), of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, shall *mutatis mutandis* apply to employees of the Institute :

Provided that for the purposes of this regulation,—

- (a) Class I, Class II, Class III and Class IV Posts in the Institute shall correspond to Central Civil Services Class I, Class II, Class III and Class IV posts respectively.
- (b) The Appointing Authority, the Disciplinary Authority for the penalties that may be imposed and the Appellate Authority for the various posts in the Institute shall be as prescribed in Schedule II.
- (c) In respect of Central or State Government servants borrowed by the Institute, the provisions respectively of rules 20 and 21 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 shall apply and the Institute shall exercise the functions of the Central or State Government, as the case may be, for the purpose of the two rules aforesaid.
- (d) No consultation with the Union Public Service Commission shall be necessary in any case.

39. *Pay of re-employed Persons* : The pay of any person who may be employed in the Institute after retirement from the service of the Institute or of a State of the Central Government or any statutory or local body administered by Government shall be fixed in the prescribed scale of pay in accordance with the rules and orders of the Central Government as amended from time to time.

40. *Other conditions of service* : In respect of matters not provided for in these Regulations, the rules as applicable to Central Government servants such as regarding the general conditions of service, pay, allowances, including travelling and daily allowance, leave salary, joining time, foreign service terms, and orders and decisions issued in this regard by the Central Government from time to time shall apply *mutatis mutandis* to the employees of the Institute.

41. *Buildings and lands belonging to the Institute* : (1) The Institute shall use its lands and buildings for

the purpose of the Institute and may, when not required for such purposes, allot them for occupation by such persons or officers as the Governing Body may decide.

(2) Employees of the Institute shall be entitled to the allotment of residences as laid down in Schedule III.

42. *Fees payable by the Post-Graduate students* : The following fees shall be payable by each candidate on registration for any of the postgraduate degrees of the Institute :

(i) Tuition fee	Rs. 350/- per annum (payable in two equal instalments).
(ii) Laboratory fee	Rs. 40/- per annum (payable in two equal instalments).
(iii) Security	Rs. 50/- (Refundable) to be deposited by every student for the recovery of breakage or loss of the Laboratory equipment and such other things. Balance, if any, after the recovery, is refundable only after the completion of the course.
(iv) Registration fee	Rs. 25/- by the First August of the year of admission.
(v) Amalgamated funds	Rs. 5/- per mensem.

*Note*—(1) The first instalment of tuition fee of Rs. 175/- is payable at the time of the admission to the postgraduate course and the next instalment within 6 months of the start of the session. The Director, at his discretion may allow upto 15 days' time after the due dates aforesaid to any student for making payment of fees aforesaid. On default, the Director may impose such penalty as he considers necessary, on merits of each case.

(2) The fees and other charges shall not be refunded in any case, including that of a student leaving the Institute before the completion of a semester or not joining the Institute for any reason; and no correspondence shall be entertained on his account.

(3) However, the security will be refunded to those candidates who do not join the course. In case of those students who leave the course in the middle, as well as after the completion of the course, the balance of security money, if any, after deducting of the charges due shall be refunded."

9. In the said Regulations, the existing "Schedule" shall be numbered as "Schedule 1" and in Schedule 1 so renumbered after Serial No. 14 and the entries relating thereto, the following shall be added namely :—

S. No.	Nature of Powers	Extent of Powers		Director
		Governing Body	President	
1	2	3	4	5
15.	To declare an Institute employee to be a ministerial employee.	—	—	Full powers.
16.	To suspend a lien	—	—	Full powers provided authorised to make appointments to the posts on which the lien is held.
17.	To transfer the lien of an Institute employee from one post to another.	—	—	Full powers provided they are authorised to make appointments to both the posts concerned.

		Full power in case of Class I officers.	Full powers in case of Class II officers.	Full powers in the case of Class III and IV employees.
18. To transfer an Institute employee from one post to another.				
19. Fixation of pay and allowances of an Institute employee treated as on duty under F. R. 9 (6) (b).	Full powers in case of Class I officers.	Do.	Do.	
20. Counting extraordinary leave for increments.	Full powers in case of Class I officers.	Full powers in case of Class II officers.	Full powers in the case of Class III and Class IV employees.	
21. Grant of higher initial pay on the initial appointment.	Full powers (except in regard to the Posts which are created with the approval of the Central Government and to which appointments are made with the approval of the Central Government).	Nil	Nil	
22. Power to reduce the pay of an officiating Government servant below the minimum stage of the time scale.	Full power (except in regard to the posts created and appointments made with the approval of Central Government for which prior approval of Government will be necessary).	Nil	Nil	
23. To grant honorarium or to permit acceptance of honorarium	—	—	Full powers up to a maximum of Rs. 500/- in each case. In the case of recurring honoraria, this limit applies to the total of the recurring payments made to an individual in a year. In case of Class I and Class II officers, the matter should be reported to the Governing Body.	
24. Power to appoint an employee to hold temporarily or to officiate in more than one post and to fix the pay of subsidiary posts and the amount of compensatory allowance to be drawn.	—	—	In accordance with rules applicable to similar classes of Central Government employees.	
25. Power to require a medical certificate of fitness before return from leave.	—	—	Appointing Authority—Full powers.	
26. Extension of leave to cover over stayal.	—	—	Full powers provide that the employee on leave will on return be under the administrative control of the Institute.	
27. To sanction transfer to foreign service to India and to fix pay in foreign service.	—	—	Full powers in respect of non-gazetted employees subject to the conditions mentioned in column 5 against Serial No. 30 in Appendix 4 of the Posts and Telegraphs Compilation of the Fundamental and Supplementary Rules, Volume II.	
28. To decide the date of reversion of Institute employees who take leave before reversion from foreign service.	—	Full powers in respect of Class I and Class II officers.	Full powers in respect of Class III and Class IV employees.	
29. Power to dispense with a medical certificate of fitness before appointment to Institute's service in individual cases.	Full powers in respect of Class I and Class II officers.	—	Full powers in respect of Class III and Class IV employees.	
30. Power to sanction the undertaking of work for which a fee is offered and the acceptance of a fee subject to the provisions of Supplementary Rules.	—	Full powers in respect of Class I and Class II officers.	Full powers in case of Class III and Class IV employees.	
31. To declare the grade of fee paid to the part-time employees (for purpose of 'Travelling Allowance').	Full power.	Nil	Nil	
32. To decide the shortest or cheapest of two or more routes.	—	—	Full power.	

1	2	3	4	5
33.	To decide the point of commencement or end of journey in a station.	—	—	Full power.
34.	To declare, in case of doubt or hardship the class of steamer accommodation to which Institute employee is entitled.	—	—	Full power.
35.	Travel by air by officers drawing a pay of less than Rs. 1600/-.	—	—	Full powers in case of absolute urgency and necessity.
36.	Power to grant exemptions from rules limiting a halt on tour to ten days.	—	—	Full powers upto 30 days (except in regard to Director for whom sanction of Central Government will be necessary).
37.	To declare who shall be controlling officer and to make rules for his guidance.	—	—	Full powers, provided an Institute employee is not declared his own controlling Officer.
38.	To grant leave when a Medical committee has reported that there is no reasonable prospect of the employee being fit to return to duty.	—	Full powers	Full powers in respect of officers whose pay does not exceed Rs. 500/- per mensem.
39.	To grant maternity and hospital leave.	—	Full powers	Full powers in the case of Class II, Class III and Class IV employees.
40.	To permit calculation of joining time by a route other than that which travellers ordinarily use.	—	—	Full powers.
41.	To extend joining time within maximum of 30 days	—	—	Full powers.
42.	Power to alter in the case of clerical errors the date of birth recorded in the service rolls of Class III and Class IV Institute employees.	—	—	Full powers.
43.	Power to sanction investigation of claims for arrears of pay, etc., which are not more than three years old.	—	—	Full powers.
44.	Power to sanction permanent advances in respect of subordinate Officers.	—	—	Full powers.
45.	Disposal of obsolete, surplus and un-serviceable stores	—	—	The Director shall exercise full powers on the advice of condemnation board.
46.	Power to vary the terms of repayment of advances granted to an Institute employee in exceptional cases.	—	—	Full powers in cases in which he is competent to sanction the grant of advances, provided that in the case of interest bearing advances the period of repayment is not extended.
47.	Power to authorise the sale or transfer of motor vehicles purchased with advance from the Institute.	Full powers.	Nil	Nil
48.	Power to sanction advances for law suits to which Institute is a party.	—	—	Full powers subject to the approval of Finance Committee.
49.	Power to prescribe the form of security and to be executed by a subordinate authority entrusted with the custody of cash, stores etc.	—	—	Full powers subject to the approval of Finance Committee.
50.	Power to incur expenditure on contingencies and purchase of stores other than for works, subject to budget provisions.	—	—	Full powers to the Director on contingencies and purchase of Stores other than works subject to the availability of funds.

1	2	3	4	5
51.	Power to allow exchange of daily allowance for mileage allowance for the whole period of an absence from Headquarters.	—	Full powers in the case of Director.	Full powers.
52.	Powers to fix amount of hire or charges when an Institute employee is provided with means of locomotion at the expense of the Institute but pays all the cost of its use or propulsion.	—	—	Full powers.
53.	To grant travelling allowance to non-officials attending commission of enquiry and to fix their grade.	—	—	Full powers.
54.	Power to sanction halt on duty at hill stations in excess of ten days.	—	Full powers up to 30 days for Class I and Class II Officers in each case.	Full powers up to 30 days for Class III and Class IV employees in each case.
55.	Power to sanction for journey made during leave (including vacation).	—	Full powers in respect of Director.	Full powers in respect of others.
56.	Power to decide the rate of Travelling Allowance admissible to an employee of the Institute deputed to undergo a course of training.	Full powers	—	Full powers if the period of training does not exceed one month.

10. In the said Regulation, after Schedule I, the following Schedules shall be added, namely :

#### SCHEDULE—II

#### THE APPOINTING, DISCIPLINARY AND APPELLATE AUTHORITY FOR THE VARIOUS POSTS IN THE POST GRADUATE INSTITUTE OF MEDICAL EDUCATION & RESEARCH, CHANDIGARH.

S. No.	Description of Posts	Appointing Authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose with reference to Rule 11 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965		Appellate Authority
			Disciplinary authority	Penalties under Rule 11 of Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965	
1	2	3	4	5	6
1.	Director and teaching posts above the rank of Assistant Professor and all other posts with an initial salary of Rs. 800/- or more per mensem.	Governing Body (subject to Rule 7)	Governing Body	All	The Institute. The Central Government in the case of Director.
2.	Teaching posts upto the rank of Assistant Professor and other posts with initial salary less than Rs. 800/- per mensem.	Governing Body	Governing Body	All	Institute.
3.	Class II posts.	President	Director President	(i) to (iii) All	Governing Body.
4.	Class III and Class IV posts.	Director	Director	All	President.

## SCHEDULE III

## POSTGRADUATE INSTITUTE OF MEDICAL EDUCATION AND RESEARCH, CHANDIGARH

## (ALLOTMENT OF RESIDENCES RULES, 1970)

1. *Short Title* : These rules may be called the Post Graduate Medical Education and Research, Chandigarh (Allotment of Residences) Rules, 1970.

2. *Definitions* : In these rules, unless the context otherwise required :—

- (a) 'allotment' means the grant of licence to occupy a residence in accordance with the provisions of these rules;
- (b) 'allotment year' means the year beginning on 1st January or such other period as may be notified by the President of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh,
- (c) 'Director' means the Director of Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh,
- (d) 'emoluments' means the emoluments as defined in Fundamental Rules 45-C but excluding Compensatory allowances.

**EXPLANATION** : In case of an employee who is under suspension the emoluments drawn by him on the first day of the allotment year in which he is placed under suspension, or if he is placed under suspension on the first day of allotment year, the emoluments drawn by him immediately before that date shall be taken as emoluments.

- (e) 'family' means the wife or husband, as the case may be, and children, step-children, legally adopted children, parents, brothers or sisters as ordinarily reside with and are dependent on the employee.
- (f) 'priority date' of an employee in relation to a type of residence to which he is eligible under the provisions of rule 4 means the earliest date from which he has been continuously drawing emoluments relevant to a particular type or a higher type in a post under the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, except for the periods of leave. Provided that where the priority date of two or more employee is the same, seniority among them shall be determined by the amount of emoluments, the employees in receipt of higher emoluments taking precedence over the employee in receipt of lower emoluments; and where the emoluments are equal by the length of service.
- (g) 'rent' means the sum of money payable monthly in accordance with the provisions of the Fundamental Rules in respect of residence allotted under these rules,
- (h) 'residents' means any residence for the time being under the administrative control of the Director, Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh.
- (i) 'Subletting' includes sharing of accommodation by an allottee with another person with or without payment rent by such other person.

**EXPLANATION** : Any sharing of accommodation by an allottee with close relations shall not be deemed to be subletting.

(j) 'temporary transfer' means a transfer which involves an absence for a period of not exceeding four months.

(k) 'transfer' means a transfer from Chandigarh to any other place and includes a transfer on reversion to service under the State Government or Union Territory Administration.

(l) 'type' in relation to any employee means the type of residence to which he is eligible.

3. *Allotment to husband and wife* : eligibility in cases of employees who are married to each other.

No employee shall be allotted a residence under these rules if the wife or the husband, as the case may be of the employee has already been allotted a residence, unless such residence is surrendered—Provided that this sub-rule shall not apply where the husband and wife are residing separately in pursuance of an order of judicial separation made by any court.

2. Where two employees in occupation of separate residences allotted under these rules marry each other, they shall within one month of the marriage surrender one of the residences.

3. If a residence is not surrendered as required by sub-rule (2), the allotment of the residence of the lower type shall be deemed to have been cancelled.

On the expiry of such period and if the residences are of the same type the allotment of such one of them as the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh may decide shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period.

(4) Where both husband and wife are employed under the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, the title of each of them to allotment of a residence under these rules shall be considered independently.

4. *Classification residences* : Save as otherwise provided by these rules, an employee will be eligible for allotment of a residence of the type shown in the table below :

Classification of residence	Category of employee of his monthly emoluments as on the first day of the allotment year in which the allotment is made
VI Type (Residence of Medical Superintendent).	Reserved for Medical Superintendent.
IV Type	Rs. 1000 and above.
VII Type	Rs. 751 to Rs. 999/-
VIII Type	Rs. 501/- to 750/-
IX Type	Rs. 350/- to Rs. 500/-.
X Type	Rs. 200/- to Rs. 349/-
XI Type	Rs. 101/- to Rs. 199/-
XII Type	Rs. 76/- to Rs. 100/-
XIII Type	Rs. 60/- to Rs. 75/-
XIV Type	below Rs. 60/-
Matron's house	
House Surgeons quarters.	

5. *Application for allotment* : An employee who seeks allotment of a residence or the continuance of allotment of a residence which has been allotted to him may apply at any time and shall apply in that behalf to the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh when directed to do so by him and in such form and manner by such date as may



be prescribed by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh.

- (2) All applications received otherwise than in pursuance of a direction under sub-rule (1) but before the 20th day of a calendar month shall be considered for allotment in the succeeding month.

6. *Allotment of residence to employees.* Save as otherwise provided in these rules a residence on falling vacant will be allotted by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, preferably to an applicant desiring a change of accommodation in that type under the provisions of rule 13 and if not required for that purpose, to an applicant without accommodation in that type having the earliest priority date for that type of residence subject to the following conditions :—

- (1) The Director of Post Graduate Institute of medical Education and Research, Chandigarh shall not allot a residence of a type higher than that to which the applicant is eligible under rule 4.
- (ii) The Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh shall not compel any applicant to accept a residence of a lower type than that to which he is eligible under rule 4.
- (iii) The Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh on request from an applicant for allotment of a lower category residence, might allot to him next below the type for which the applicant is eligible under rule 4 on the basis of his priority date for the same.
- (2) The Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh may cancel the existing allotment of an employee and allot to him an alternative residence of the same type or in emergent circumstances an alternative residence of the type next below the type of residence in occupation of the employee if the residence in occupation of the employee is required to be vacated.
- (3) A vacant residence may, in addition to allotment to an employee under sub-rule (1), be offered simultaneously to other eligible employees in order of their priority dates.

7. *Out of turn allotments :* Notwithstanding the provisions of rule 6 allotment of residence may be made by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research Chandigarh, on out-of turn basis to an employee on grounds of serious illness of self or a member of his family in consultation, if considered necessary, with the prescribed medical authority. The priority for allotment in such cases will be that date on which the application of the employee for out-of turn allotment is received by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh.

*Non-acceptance of allotment of offer or failure to occupy the allotted residence after acceptance.*

If an employee fails to accept the allotment of a residence within five days or fails to take possession of that residence after acceptance within eight days from the date of receipt of the letter of allotment he shall not be eligible for another allotment for a period of one year from the date of the allotment letter.

- (2) If an employee occupying a lower type residence is allotted or offered a residence of the type for which he is eligible under rule 4 for which he has applied under rule 6 (iii) he may, on refusal of the said allotment, be allotted residence on the following conditions namely :—

- (a) that such an employee shall not be eligible for another allotment for a period of six months from the date of the allotment letter for the higher class of accommodation;
- (b) while retaining the existing residence he shall be charged the same rent which he would have had to pay under F.R. 45-A in respect of the residence so allotted or offered or the rent payable in respect of the residence already in his occupation whichever is higher.

(9) *Period for which allotment subsists and the concessional period for further retention.*

An allotment shall be effective from the date on which it is accepted by the employee and shall continue in force until.

- (a) the expiry of the concessional period permissible under sub-rule (2) after the employee ceases to be on duty;
- (b) it is cancelled by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, or is deemed to have been cancelled under any provision in these rules;
- (c) it is surrendered by the employee; or
- (d) the employee ceases to occupy this residence.
- (2) A residence allotted to an employee may, subject to sub-rule (3) be retained on the happening of any of the events specified in column 1 of the Table below for the period specified in the corresponding entry in column 2 thereof provided that the residence is required for the *bona fide* use of the employee or members of his family.

TABLE

Events	Permissible period for retention of the residence
(1)	(2)
(i) Resignation, dismissal or removal from service termination of service or un-authorised absence without permission.	1 month
(ii) Retirement or terminal leave.	2 months.
(iii) Death of the allottee	4 months.
(iv) Transfer to a place outside Chandigarh.	2 months
(v) Transfer to another office at Chandigarh.	2 months.
(vi) Temporary transfer in India for transfer to a place outside India.	4 months.
(vii) Leave (other than leave preparatory to retirement, refused leave, terminal leave, medical leave or study leave).	For the period of leave but not exceeding 4 months.

(1)	(2)
(viii) Leave preparatory to retirement or refused leave granted under F.R. 86.	For the full period on leave on full average pay subject to a maximum of 4 months inclusive of the period permissible in the case of retirement.
(ix) Study leave on deputation outside India.	For the period of leave but not exceeding 6 months.
(x) Study leave in India.	For the period of leave but not exceeding 6 months.
(vi) Leave on medical grounds.	For full period of leave.
(vii) On proceeding on training.	For full period of training.

(3) Where a residence is retained under sub-rule (2) the allotment shall be deemed to be cancelled on the expiry of the admissible concessional periods unless immediately on the expiry thereof the officer resumes duty.

(4) An employee who has retained the residence by virtue of the concession under item (i) or item (ii) of the table below sub-rule (2) shall, on re-employment in an eligible office within the period specified in the said table, be entitled to retain that residence and he shall also be eligible for any further allotment of residence under these rules:

Provided that if the emoluments of the employees on such re-employment do not entitle him to the type of residence occupied by him/her, he/she shall be allotted a lower type of residence.

10. *Provisions relating to rent.* Where an allotment of accommodation or alternative accommodation has been accepted the liability for rent shall commence from the date of allotment, whichever is earlier.

An employee who, after acceptance, fails to take possession of that accommodation within eight days from the date of receipt of the allotment letter, shall be charged rent from such date upto a period of one month or upto the date of re-allotment of that particular accommodation, whichever is earlier.

(2) where an employee who is in occupation of a residence is allotted another residence and he occupies the new residence, the allotment of the former residence shall be deemed to be cancelled from the date of occupation of the new residence. He may, however, retain the former residence without payment of rent for that day and the subsequent day for shifting.

11. *Personal liability of the employee for payment of rent till the residence is vacated and furnishing of surety by temporary employees.*

The employee to whom a residence has been allotted shall be personally liable for the rent thereof and for any damage beyond fair wear and tear caused thereto or to the furniture, fixtures or fittings or services provided therein by Institute during the period for which the residence has been and remains allotted to him/her or where the allotment has been cancelled under any of the provisions in these rules until the residences along with the out-houses appurtenant thereto been vacated and full vacant possession thereof has been restored to the Institute.

(2) Where the employee to whom a residence has been allotted is neither a permanent nor a quasi-permanent servant of Government/Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, he/she shall execute a security bond in the form prescribed in this behalf by the Institute with a surety, who shall be a permanent servant of Government/Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, serving under the Institute for due payment of rent and other charges due from him in respect of such residences and services and any other residence provided in lieu.

(3) If the surety ceases to be in service of Government/Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, or becomes insolvent or withdraws his guarantee or ceases to be available for any other reason, the employee shall furnish a fresh bond executed by another surety within thirty days from the date of his requiring knowledge of such event or fact and if he/she fails to do so, the allotment of the residence to him/her shall, unless otherwise decided by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, be deemed to have been cancelled with effect from the date of that event.

#### 12. *Surrender of an allotment and period of notice.*

An employee may at any time surrender an allotment by giving intimation so as to reach the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh at least ten days before the date of vacation of the residence.

The allotment of the residence shall be deemed to be cancelled with effect from the eleventh day after the day on which the letter is received by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh or the date specified in the letter, whichever is later. If he fails to give due notice he shall be responsible for payment of rent for ten days or the number of days by which the notice given by him falls short of ten days, provided that the director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh may accept a notice for a short period.

13. *Change of residence :* An employee to whom a residence has been allotted under these rules may apply for a change to another residence of the same type or a residence of the type to which he is eligible under rule 4, whichever is lower. Not more than one change shall be allowed in respect of one type of residence allotted to the employee.

(2) All applications for change made in the form prescribed by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, and received upto the 19th day of a calendar month shall be included in the waiting list in the succeeding month. For purpose of the rule the employees whose names are included in the waiting list in an earlier month shall be senior en bloc to those names are included in the list in subsequent months. The inter-se seniority of the employee included in the list in any particular month shall be determined in order to their priority dates.

(3) Changes shall be offered in order of seniority determined in accordance with sub-rule (2) and having regard to the employees preferences as far as possible.

(4) If an employee fails to accept a change of residence offered to him within five days to the issue of such offer of allotment, he/she shall not be considered again for a change of residence of that type.

- (5) An employee, who after accepting a change of residence fails to take possession of the same, shall be charged rent for such residence in accordance with the provisions of rule 10 in addition to the normal rent under F.R. 45-A for the residence already in his possession, the allotment of which shall continue of subsist.

14. *Change of residence in the event of death of a member of the Family.* Notwithstanding anything contained in rule 13 an employee may be allowed a change of residence on the death of any member of his family if he/she applies for change within three months of such occurrence, provided that the change will be given in the same type of residence and on the same floor as the residence already allotted to the employee.

15. *Mutual exchange of residence :* Employees to whom residences of the same type have been allotted under these rules may apply for permission to mutually exchange their residences. Permission for mutual exchange may be granted if both the employees are reasonable expected to be on duty in Chandigarh and to reside in their mutually exchanged residences for at least six months from the date of approval of such exchange.

16. *Transfer to non-family stations :* If an employee is transferred to a station where he/she is not permitted or advised by Government/Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, to take his/her family with him/her and the residence allotted to him/her under these rules is required by the family for the *bona-fide* educational needs of his/her children, he/she may be allowed, on request, to retain the residence on payment of rent under F.R. 45-A, till the end of current academic session of his children in Chandigarh.

17. *Maintenance of residence :* The employee to whom a residence has been allotted shall maintain the residence and premises in a clean condition to the satisfaction of the Institute authorities. Such employee shall not grow any tree, shrubs or plants contrary to the instructions issued by the Government/Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh or cut or lop off any existing tree or shrub in any garden, courtyard or compound attached to the residence save with the prior permission in writing of the Institute. Trees, plantation vegetation, grown in contravention of this rule may be caused or to be removed by the Director of Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh at the risk and cost of the employee concerned.

18. *Subletting and sharing of residence :* No employee shall sublet or share the residence allotted to him or any of the out-houses, thereto. The servants quarters/out houses may be used only for the *bona-fide* purpose including residence of the servants of the allottees or for such other purposes as may be permitted by the Director Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh.

(2) Any employee who shares or sublets his residence shall do so at his own risk and responsibility and shall remain personally responsible for any rent payable in respect of the residence and for any damage caused to the residence or its precincts or grounds or services provided, therein by Institute beyond fair wear and tear.

19. *Consequences of breach of rules and condition :* (1) if any employee shares or sublets the residence or creates nuisance in the locality or erects any unauthorised structure in any part of the residence or uses the residences or any portion thereof for any purposes other than that for which it is meant or tampers with the electric or water connection or commits any other breach of the rules in this respect or of the terms and conditions

of the allotment or uses the residence or permits or permits or suffers the residence or premises to be used for any purposes which the Director Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, considers to be improper or conducts himself in a manner which in his opinion is prejudicial to the maintenance of harmonious relations with his neighbours or has knowingly furnished incorrect information in any application or written statement with a view to securing the allotment, the Director Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh may without prejudice to any other disciplinary action that may be taken against him cancel the allotment of the residence.

**EXPLANATION.** In this sub-rule the expression 'employee' includes unless the context otherwise required, a member of his family and any person claiming through the employee.

(2) If any employee sublets a residence allotted to him or her any portion thereof or any of the out-houses servants quarters/garages or stables appurtenants thereto, in contravention of these rules, he/she may, without prejudice to any other action that may be taken against him/her be charged enhanced rent not exceeding four times the standard rent under F.R. 45-A. The quantum of rent to be recovered and the period for which the same may be recovered in each case will be decided by the Director Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh on merits.

(3) Where action to cancel the allotment is taken on account of unauthorised subletting of the premises by the allottee, a period of sixty days shall be allowed to the allottee, and any other person residing with him/her therein to vacate the premises.

The allotment shall be cancelled with effect from the date of vacation of the premises or expiry of the period of sixty days from the date of the orders for the cancellation of the allotment whichever is earlier.

(4) Where the allotment of a residence is cancelled for conduct prejudicial to the maintenance of harmonious relations with neighbours the employee at the discretion of the Director Post Graduate Institute of Medical Education and Research Chandigarh may be allotted another residence in the same class at any other place.

(5) The Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh shall be competent to take all or any of the action under sub-rules (1) to (4) of this rule and also to declare the employee, who commits a breach of the rules and instructions issued to his/her to be ineligible for allotment of residential accommodation for a period of not exceeding three years.

20. *Overstay in residence after cancellation of allotment :* Where after an allotment has been cancelled or is deemed to be cancelled under any provision contained in these rules, the residence remains or has remained in occupation of the employee to whom it was allotted or of any person claiming through him such employee shall be liable to pay damages for use and occupation of the residence, services, furniture and garden charges, equal to the market rent as may be determined by the Institute from time to time.

Provided that an employee, in special cases, may be allowed by the Director, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh to retain a residence on payment to twice the standard rent under F.R. 45-A, or twice the pooled standard rent under F.R. 45-A, whichever is higher, for a period not exceeding six months beyond the period permitted under rule 9(2).

21. *Continuance of allotments made prior to the issue of these rules :* Any valid allotment of a residence which

is subsisting immediately before the commencement of these rules under the rules then in force shall be deemed to be an allotment duly made under these rules notwithstanding that the employee to whom it has been made is not entitled to a residence of that type under rule 4 and all the preceding provisions of these rules shall apply in relation to that allotment and that employee accordingly.

22. *Interpretation of rules* : If any question arises as to the interpretation of these rules, it shall be decided by the Govern Body of the institute.

23. *Relaxation of Rules* : The Governing Body may for reasons to be recorded in writing relax all or any of the provisions of the rules in this respect in the case of any employee or residence or class or employee or type of residences.

24. *Delegation of power or functions* : The Governing Body of the Institute may delegate any or all the powers conferred upon it by the rules in this respect to the Director Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, subject to such condition as it may deem fit to impose."

The 27th July 1970

No. F. 10-20/66-ME(PG).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 32 of the Post Graduate Institute of Medical Education and Research Act, 1966 (51 of 1966), the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh with the prior approval of the Central Government hereby makes the following regulation further to amend the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, Regulation, 1967, namely :—

1. *Short title and commencement*.—(1) These regulations may be called the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh (Second Amendment) Regulations, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, Regulations,

1967 after regulation 37 the following regulation shall be inserted, namely :—

- 37 A. Superannuation : (1) The age of superannuation of the employees of the Institute other than the Director, the Medical Superintendent, the members of the teaching faculty and class IV employees shall be 58 years.
- (2) The age of superannuation of the Director, the Medical Superintendent members of the teaching faculty and class IV employees shall be 60 years.

Provided that the services of members of the teaching faculty may be retained upto the age of 62 years in exceptional cases of such members for reasons to be recorded in writing on the merits of each such case and subject to physical fitness and continued efficiency of the member concerned.

- (3) Notwithstanding anything contained in this regulation, the appointing authority shall if it is of the opinion that it is in the public interest so to do have the absolute right to retire any employee of the Institute by giving him notice of not less than 3 months in writing or 3 months pay and allowances in lieu of such notice;
- (i) if he is in Class I or Class II Service or post and had entered in this service of the Instt. before attaining the age of 35 years, after he has attained the age of 50 years; and
- (ii) in any other case after he has attained the age of 55 years ;

Provided that nothing in this sub-regulation shall apply to any employee in Class IV service or post who entered service on or before 7-8-1970.

By authority of the Institute

P. N. CHHUTTANI

Director,

Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh